हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 312, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 14 मई, 2024 दिन मंगलवार | गाजीपुर/वाराणसी

मैंने किसी का आरक्षण लूटकर सामान्य वर्ग को आरक्षण नहीं दिया : पीएम मोदी

बोले- वंचितों का जो अधिकार है, मोदी उसका चौकीदार है

पटना। पीएम मोदी दो दिवसीय दौरे पर बिहार आए हैं। रविवार शाम को उन्होंने पटना में दो किलोमीटर लंबा रोड शो किया। इसके बाद राजभवन में विश्राम किया। सोमवार को उन्होंने हाजीपुर में जनसभा को संबोधित किया।

पीएम मोदी ने कहा कि हमारे देश में आरक्षण का एक बहुत बड़ा वर्ग है जिसे आरक्षण का लाभ नहीं मिला। राजपूत और ब्राह्मण समाज में भी गरीब लोग हैं। इसलिए मैंने इन समाज के गरीबों को 10 प्रतिशत आरक्षण दिया। आप देखिए मैंने किसी का आरक्षण लूटकर इन्हें आरक्षण नहीं दिया। मैंने सबको साथ लेकर सामान्य वर्ग को आरक्षण दिया। किसी दुखी नहीं किया। लेकिन, यह लोग धर्म के आधार पर आरक्षण देना चाहते हैं। कांग्रेस आपकी संपत्ति का एक्स-रे करवाना चाहती है। आपकी कमाई, घर और जमीन तक छीन लेंगे। यह लोग विरासत कर लगाकर आपकी संपत्ति छिनना चाहते हैं। पीएम मोदी ने सारण से भाजपा प्रत्याशी राजीव प्रताप रूडी के पक्ष में वोट मांगा। पीएम मोदी ने कहा कि इंडी गठबंधन वालों ने कैसे-कैसे सपने

देखे। यह मुंगेरी लाल के हसीन सपना देख रहे हैं इनकी सरकार बनेगी तो हर साल एक प्रधानमंत्री। पांच साल में पांच प्रधानमंत्री। आप बताइए पांच साल में पांच प्रधानमंत्री से देश का भला होगा क्या? पांच साल पांच प्रधानमंत्री हमारा सिर फोड़ेंगे क्या। अपना वजूद बचाने के राजद और कांग्रेस तुष्टिकरण की जिद पर अड़े हैं। इनलोगों ने आपका आरक्षण छीनकर धर्म के आधार पर आरक्षण देना चाहते हैं। आप कल्पना कर सकते हैं जिस राजद को पिछड़ों ने सबकुछ दिया, वही राजद पिछड़ों के साथ सबसे बड़ा विश्वासघात करने वाली पार्टी बन गई है। इसलिए मैं बिहार के हर पिछड़े दलित और आदिवासी को गारंटी देता हूं कि यह जंगलराज वाले कोशिश कर लें लेकिन मोदी आरक्षण की लूट नहीं होने देगा। वंचितों का जो अधिकार है, मोदी उसका चौकीदार है।

पीएम मोदी ने कहा कि मैं जब भी बिहार आता हूं तो राजद को कहता हूं कि वह अपने काम पर जनता से वोट मांगे। राजद ने कितने अपहरण कराए। कितने उद्योगों को चौपट किया। कितने तरह के घोटाले कराए। राजद वालों इसी तरह के पोस्टर लगाने चाहिए और इसके आधार पर वोट मांगना चाहिए। बिहार में जंगलराज लाने वालों का यही एक रिपोर्ट कार्ड है। मैं इन जंगलराज वालों से यह भी कहूंगा कि नीतीश कुमार ने नेतृत्व में जो काम हुए, उसके आधार झूठ बोलकर वोट मत मांगिए। आपके पास राजद वाले आए तो एक बार सोच लीजिएगा कि जंगलराज में क्या क्या होता था? पहली बार मतदान कर रहे लोगों से मैं कहता हूं कि आप अपने घर के बुजुर्गों से पूछिए जंगलराज में कैसे-कैसे दिन उन्होंने देखे। शाम को वह घर से नहीं निकल पाते थे। पीएम मोदी ने कांग्रेस और राजद जनता को बुड़बक समझी है क्या? यह पब्लिक है सब जानती है। कांग्रेस ने इतने सालों को गरीबों का पेट नहीं भरने दिया। गरीब और गरीब होते जा रहा था। देश की अर्थव्यवस्था बदहाल हो रही थी। यह लोग घोटाले करके अपनी तिजौरियां भर रहे थे लेकिन गरीबों की चिंता इनलोगों ने नहीं की। मोदी ने गारंटी दिया कि कोई गरीब भूखा नहीं सोएगा। गरीब के घर का चूल्हा जलता रहेगा। आज 80 करोड़ देशवासियों को मुफ्त में राशन पहुंच रहा है। चार करोड़ गरीबों के लिए पक्के घर बनाया। पीएम मोदी ने कहा कि भारत विकास की नई ऊंचाइ को छुए, यह इस चुनाव में तय होने वाला है।

सपा ने युवाओं के हाथों में तमंचे तो भाजपा ने टैबलेट थमाए हैं : सीएम योगी

बांदा। बुंदेलखंड की सियासत में बांदा-चित्रकूट संसदीय सीट विशेष महत्व रखती है। इस सीट पर सभी दल जीतना चाहते है। कांग्रेस, कम्युनिष्ट, बसपा के बाद अब इस सीट पर 2014 से भाजपा का कब्जा है। एक बार फिर इस सीट पर कांटे की टक्कर है। मतदान को महज अब आठ दिन शेष बचे है। जहां प्रत्याशियों ने मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए दिन रात लगे हुए हैं, वहीं प्रत्याशियों को जिताने के लिए सभी दलों स्टार प्रचारकों ने भी ताकत झोंक दी है। एक के बाद एक स्टार प्रचारकों के आने का सिलसिला शुरू है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को अतर्रा के हिंदू इंटर कॉलेज में पार्टी प्रत्याशी के पक्ष में जनसभा करने पहुंचे। यहां उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधा। सीएम ने कहा कि सपा ने युवाओं के हाथों में तमंचे तो भाजपा ने टैबलेट थमाए हैं। भाजपा जीत की ओर बढ़ रही है। इंडी गठबंधन की सरकार बनीं तो यह लोग पहले गणना कराएंगे, बाद में जनता पर वरासत टैक्स भी लगाएंगे।

सीबीएसई बोर्ड परिणाम : 12वीं में 87.98%, 10वीं में 93.60% हुए पास

नई दिल्ली। सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन ने 12वीं का रिजल्ट जारी करने के एक घंटे बाद अब 10वीं का रिजल्ट भी जारी कर दिया है। इस साल क्लास 10 में 2,238,827 स्टूडेंट्स ने एग्जाम दिया था। इनमें से 2,095,467 कैंडिडेट्स पास हुए हैं। इस साल 10वीं का पासिंग पर्सेंटेज 93.60% रहा। इस साल 10वीं का पास पर्सेंटेज 0.48% बढ़ा है। 2023 में ये 92.12% था। लड़कियों का पासिंग पर्सेंटेज 94.75% है जबकि लड़कों का 92.71% है। इस बार 12वीं में 87.98% स्टूडेंट पास हुए हैं। पिछले साल की तुलना में पासिंग पर्सेंटेज 0.65% बढ़ा है। लड़कों की तुलना में लड़कियों का पासिंग पर्सेंटेज 6.40% ज्यादा है। इस बार 91% से ज्यादा लड़कियां पास हुई हैं। सीबीएसई क्लास 12 के रिजल्ट में 99.91% के साथ त्रिवेन्द्रम एक बार फिर सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला रीजन बना है। वहीं, प्रयागराज का रिजल्ट 78.25 के साथ सबसे निचले पायदान पर रहा है। वहीं, 10वीं क्लास में भी त्रिवेंद्रम रीजन का रिजल्ट 99.75% रिजल्ट के साथ बेस्ट रहा है। दूसरे नंबर पर 99.60 पासिंग पर्सेंटेज के साथ विजयवाड़ा रीजन है। तीसरे नंबर पर 99.30% के साथ चेन्नई रीजन है। सबसे खराब रिजल्ट गुवाहाटी रीजन का 77.94% है। क्लास 10 में भी सबसे अच्छा रिजल्ट त्रिवेन्द्रम रीजन का है। त्रिवेन्द्रम रीजन का पासिंग पर्सेंटेज 99.75 है। दूसरे नंबर पर 99.60 पासिंग पर्सेंटेज के साथ विजयवाड़ा रीजन है। तीसरे नंबर पर 99.30% के साथ चेन्नई रीजन है। दिल्ली रीजन में 2,95,792 छात्रों ने सीबीएसई क्लास 12वीं बोर्ड एग्जाम दिया था और 2,80,925 स्टूडेंट्स पास हुए। दिल्ली में 94.97 फीसदी स्टूडेंट्स पास हुए हैं। पूर्वी दिल्ली में स्टूडेंट्स का रिजल्ट प्रतिशत 94.51% रहा और पश्चिमी दिल्ली में 95.64% स्टूडेंट्स पास हुए हैं। इस साल कुल 16,33,730 स्टूडेंट्स ने 12वीं के बोर्ड एग्जाम के लिए रजिस्ट्रेशन किया था और कुल 16,21,224 स्टूडेंट्स एग्जाम में शामिल हुए थे। एग्जाम में 14,26,420 स्टूडेंट्स पास हुए हैं। सीबीएसई क्लास 12वीं के फाइनल एग्जाम में 24,068 स्टूडेंट्स को 95% या उससे अधिक मार्क्स मिले, जो पास हुए कुल स्टूडेंट्स का 1.48% है। वहीं, 1,16,145 स्टूडेंट्स ने 90% या उससे ज्यादे मार्क्स हासिल किए। यह पास हुए कुल स्टूडेंट्स का 7.16% है। पिछले साल बोर्ड एग्जाम का रिजल्ट जारी होने के बाद कोई मेरिट लिस्ट रिलीज नहीं की गई थी। बोर्ड से जुड़े एक सीनियर ऑफिसर ने कहा था कि स्टूडेंट्स के बीच अनहेल्दी कॉम्पिटिशन न हो, ये सुनिश्चित करने के लिए बोर्ड ने मेरिट लिस्ट न जारी करने का फैसला लिया था। इस साल भी बोर्ड एग्जाम के बाद मेरिट लिस्ट जारी नहीं की जाएगी। किसी टॉपर का नाम भी अनाउंस नहीं किया जाएगा। बोर्ड एग्जाम में पास होने के लिए फाइनल एग्जाम और इंटरनल एसेसमेंट में मिलाकर सभी सब्जेक्ट्स में ओवर ऑल 33% मार्क्स स्कोर करना जरूरी है।

रायबरेली मेरी दो माताओं की कर्मभूमि है इसलिए मैं यहां चुनाव लड़ने आया हूं : राहुल

रायबरेली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी रायबरेली में चुनाव प्रचार कर रहे हैं। सोमवार को उन्होंने जिले के महाराजगंज में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि मेरी दो माताएं हैं। एक सोनिया गांधी और दूसरी इंदिरा गांधी जिन्होंने मेरी रक्षा की है। मुझे सिखाया है।रायबरेली मेरी दोनों माताओं की कर्मभूमि है। इसलिए मैं यहां से चुनाव लड़ने आया हूं।

राहुल ने कहा कि रायबरेली से हमारे परिवार का रिश्ता 100 साल पुराना है। यह चुनाव इतिहास का पहला चुनाव है जिसमें संविधान की रक्षा की लड़ाई कांग्रेस लड़ रही है। भाजपा और आरएसएस संविधान की किताब फाड़ डालेंगे और गरीबों के सारे रास्ते बंद हो जाएंगे। प्रधानमंत्री और भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि यह अडानी और अंबानी की सरकार बनाने जा रहे हैं। इन दो लोगों के लिए ही संविधान की धज्जियां उड़ाई जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र

मोदी पर निशाना साधते हुए राहुल गांधी ने कहा नरेंद्र मोदी ने दस साल में 16 लाख करोड़ रुपया 22 अरबपतियों को दे दिया। यह पैसा 70 करोड़ लोगों की इनकम जितना है।

यह लड़ाई गरीबों की रक्षा के लिए है। सरकार बनी तो हर महिला के खाते में प्रतिमाह 8500 रुपया भेजेंगे। हर माह की पहली तारीख को खटाखट पैसा खाते में गिरेगा। राहुल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने युवाओं को बेरोजगार कर दिया है। इंडिया गठबंधन की सरकार बनने पर हर युवा को अप्रेंटिसशिप मिलेगी। इस तरह पहली नौकरी पक्की। पब्लिक सेक्टर हो या सरकारी विभाग सरकार बनते ही ठेकेदारी प्रथा बंद होगी। इस दौरान राहुल गांधी और प्रियंका गांधी जनसभा में एक साथ दिखे। दोनों को एक साथ मंच पर देख भीड़ का उत्साह हिलोरे लेता दिखा। जनसभा के जरिए राहुल और प्रियंका ने भाजपा को ताकत का अहसास कराया।

' कनाडा से अभी तक ऐसा कुछ नहीं मिला, जिसकी जांच हो सके', निज्जर हत्या मामले में बोले जयशंकर

मुंबई। खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या मामले में कनाडा की तरफ से की गई चौथी गिरफ्तारी पर केंद्रीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि भारत को इस मामले में कनाडा की तरफ से अभी तक कुछ ऐसा नहीं मिला, जिसपर एजेंसी जांच कर सके। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि अगर कनाडा के पास इस मामले को लेकर किसी भी हिंसा से संबंधित जानकारी है तो भारत इसकी जांच के लिए तैयार है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए जयशंकर ने कहा, "हमें कनाडा की तरफ से कभी भी ऐसा कुछ नहीं मिला, जो हमारी एजेंसियों द्वारा जांचने के योग्य हो। पिछले कुछ दिनों में इस मामले में हुए बदलाव को लेकर मेरे पास जानकारी नहीं है।" उन्होंने आगे कहा, "जब विदेशी नागरिक की गिरफ्तारी की जाती है तो इसकी सूचना मूल देश की सरकार या दूतावास को दी जाती है।" 45 वर्षीय हरदीप सिंह निज्जर की 18 जून 2023 में ब्रिटिश कोलंबिया के सर्रे में गुरुनानक सिख गुरुद्वारा के बाहर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पहले तीन लोगों को

गिरफ्तार किया गया। इसके एक हफ्ते बाद चौथे आरोपी की भी गिरफ्तारी हो गई। गिरफ्तार किए गए चौथे आरोपी की पहचान 22 वर्षीय अमनदीप सिंह के तौर पर की गई है। उसके ऊपर प्रथम डिग्री हत्या और हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया गया है।

केजरीवाल को सीएम पद से हटाने वाली याचिका सुप्रीम कोर्ट में खारिज, पीठ ने कहा- हमारे पास कानूनी अधिकार नहीं

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को एक और राहत मिली। दिल्ली हाईकोर्ट के बाद अब सुप्रीम कोर्ट ने भी केजरीवाल को मुख्यमंत्री पद से हटाने की मांग को लेकर दायर याचिका खारिज कर दी है। शीर्ष अदालत का कहना है कि उसके पास केजरीवाल से सीएम पद से हटने के लिए पूछने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है। इससे पहले, 28 मार्च को, उच्च न्यायालय ने सुरजीत सिंह यादव नामक व्यक्ति द्वारा दायर एक जनहित याचिका को खारिज कर दिया था। हाई कोर्ट ने तब कहा था कि इस मुद्दे की जांच करना कार्यपालिका और राष्ट्रपति का काम है और कोर्ट इसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकता। इसके बाद चार अप्रैल को, कोर्ट ने विष्णु गुप्ता, जो हिंदू सेना के अध्यक्ष हैं, की एक अन्य जनहित याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया था। कोर्ट ने कहा था कि यह केजरीवाल का निजी फैसला होगा कि वह सीएम बने रहेंगे या

नहीं। पीठ ने टिप्पणी की थी कि कभी-कभी, व्यक्तिगत हित को राष्ट्रीय हित के अधीन करना पड़ता है लेकिन यह उनका (केजरीवाल का) निजी फैसला है। तीसरी याचिका संदीप कुमार द्वारा दायर की गई थी, जिसमें कहा गया था कि केजरीवाल अक्षम होने के बावजूद दिल्ली के मुख्यमंत्री के पद पर बने हुए हैं जो न केवल कई संवैधानिक जटिलताओं को जन्म देता है बल्कि लोगों के जीवन के अधिकार की गारंटी का भी उल्लंघन करता है। इस पर दिल्ली हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता पूर्व आप विधायक संदीप कुमार को फटकार लगाते हुए इस याचिका को खारिज कर दिया था। साथ ही याचिकाकर्ता पर कोर्ट ने 50 हजार का जुमार्ना भी लगाया था। कोर्ट ने सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए कहा था कि न्यायिक व्यवस्था का मजाक ना उड़ाएं। दिल्ली हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता से पूछा था कि ऐसा कोई आदेश है कि जिसमें हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट ने किसी सीएम को हटाने का निर्देश दिया। पीठ ने कहा था, 'आप याचिका दाखिल कर कोर्ट का समय को बर्बाद कर रहे हैं। हम आप पर भारी जुमार्ना लगा रहे हैं।

सोनोवाल का ईरान दौरा, चाबहार बंदरगाह समझौते पर हस्ताक्षर होने की संभावना

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री सवार्नंद सोनोवाल सोमवार को ईरान दौरे के लिए एक विशेष उड़ान में सवार हुए। दोनों देशों के बीच चाबहार बंदरगाह समझौते पर हस्ताक्षर होने की संभावना है। इस समझौते के साथ ही भारत के पास ईरान के तटीय क्षेत्र में स्थित चाबहार बंदरगाह को लीज पर देने का अधिकार होगा। इस रणनीति के जरिए पाकिस्तान के कराची और ग्वादर बंदरगाह को दरकिनार करते हुए ईरान के माध्यम से दक्षिणी एशिया और मध्य एशिया के बीच नया व्यापार मार्ग खुल जाएगा। म्यांमार में सितवे बंदरगाह के उद्घाटन के बाद चाबहार बंदरगाह के संचालन का अनुबंध समुद्री क्षेत्र में भारत के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के तौर पर देखा जा है। इस अनुबंध के जरिए दोनों देशों का उद्देश्य समुद्री क्षेत्र में चीनी उपस्थिति को बेअसर करना है। बता दें कि सवार्नंद सोनोवाल ने पिछले साल मई में म्यांमार के सितवे बंदरगाह का उद्घाटन किया था। ईरान के चाबहार बंदरगाह को भारत की कनेक्टिविटी पहल के प्रमुख घटक के तौर पर देखा जाता है। यह भारत, अफगानिस्तान, ईरान और मध्य एशिया के बीच व्यापार का छोटा मार्ग प्रदान करेगा। भारत का लक्ष्य सीआईएस (स्वतंत्र देशों का राष्ट्रमंडल) देशों तक पहुंचने के लिए चाबहार बंदरगाह को अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन कॉरिडोर (आईएनएसटीसी) के तहत आवाजाही का केंद्र बनाना है।

राहुल वोट मांगते हैं रायबरेली से और समर्थन मिलता है पाकिस्तान से : योगी

रायबरेली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को रायबरेली के सरेनी पहुंचे। यहां उन्होंने जनसभा कर प्रदेश सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह को लोकसभा चुनाव में कमल के फूल पर बटन दबाकर विजयश्री दिलाने की अपील की। उन्होंने आह्वान किया कि अबकी बार-400 पार में रायबरेली भी रहेगा, क्योंकि यह अवध केसरी और अयोध्या की पावन धरा का क्षेत्र है। सीएम ने कहा कि पुलवामा में भारत के जवान शहीद हुए थे। पाकिस्तान का मंत्री उस घटना का समर्थन कर रहा था। वह मंत्री आज रायबरेली से कांग्रेस प्रत्याशी के समर्थन में बयानबाजी करता है। आखिर राहुल गांधी के पाकिस्तान से क्या संबंध हैं। वे रहेंगे हिंदुस्तान में, वोट मांगेंगे रायबरेली से और समर्थन मिल रहा है पाकिस्तान से। सीएम ने विश्वास जताया कि जिसका समर्थन पाकिस्तान कर रहा है, रायबरेली उसका समर्थन नहीं करेगी। मुख्यमंत्री योगी ने रायबरेली के बालेश्वर मंदिर में दर्शन-पूजन का भगवान शिव का आशीर्वाद भी लिया। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस ने जो न्याय पत्र जारी किया है, वह भारत के प्रति अन्याय पत्र है। यह भारत के प्रति साजिश का दस्तावेज है। इसमें कांग्रेस गरीबी हटाने की बात कह रही है। दादी ने गरीबी हटाओ का नारा दिया था, आज तक पोता वही रट रहा है। वे बता रहे कि गरीबी हटाने के लिए संपत्ति का एक्सरे कराकर विरासत टैक्स लगाएंगे। आपके

पूर्वजों की संपत्ति पर कांग्रेस की नजर है। सीएम ने कहा कि कांग्रेस व सपा का गठबंधन देश के लिए खतरनाक है। दो युवाओं की जोड़ी धोखेबाज है। यह कह रहे हैं कि जीतेंगे तो मिलकर लूटेंगे और हारेंगे तो फिर छूटेंगे। यह लोग देश-प्रदेश के साथ अन्याय करने आ रहे हैं। राहुल गांधी उप्र के बाहर प्रदेश और भारत के बाहर देश की निंदा करते हैं। 2010 में यूपीए सरकार के समय अमेरिका के अधिकारी से कहा था कि भारत के अंदर आईएसआई, मुस्लिम कट्टरपंथियों, आर्तकियों से नहीं, हिंदुओं से डर है। हिंदुओं को बदनाम करने वाले राहुल हिंदुओं से वोट मांगते हैं। यह जाति के नाम पर लड़ाएंगे, फिर आरक्षण को मुसलमानों में बंटरबांट करेंगे। सीएम ने कांग्रेस को खानपान की स्वतंत्रता की बात पर चेताया, बोले कि बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक का भोजन एक ही है, लेकिन एक जगह उनके विचार बदल जाते हैं। वे जान लें कि गो हमारी माता है, जनम-जनम का नाता है। इसे काटोगो तो दो-दो हाथ हो जाएगा। कांग्रेस गोहत्या की छूट दे रही है। उन्होंने चेताया कि कांग्रेस के राम जन्मभूमि का पुण्य पाप में बदल जाएगा। सीएम ने अपील की कि कांग्रेस के इस पाप में नहीं पड़ना है। कांग्रेस देश के लिए खतरनाक खेलने जा रही है। देश उन्हें पहले ही बाहर का रास्ता दिखा चुका है। रायबरेली के सरेनी में जनसभा से पहले योगी आदित्यनाथ बालेश्वर महादेव मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने विधि-विधान से बाबा के दर्शन-पूजन किए। सीएम ने सुखी-समृद्धि उत्तर प्रदेश की कामना की तो बाबा से रायबरेली की जीत का भी आशीर्वाद लिया।

भारतीय अंतरिक्ष उद्योग प्राइवेट कंपनियों को दे रहा अवसर, इसरो प्रमुख बोले- 400 कंपनियों को हुआ फायदा

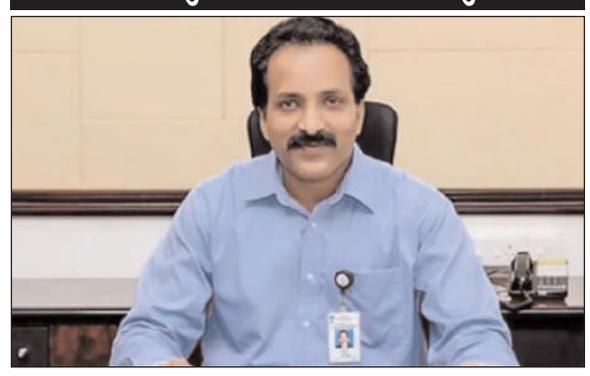

कोच्चि। इसरो के अध्यक्ष एस. सोमनाथ ने कहा है कि भारतीय अंतरिक्ष उद्योग विकास के नए क्षेत्र के रूप में देश में प्राइवेट क्षेत्र को अद्भुत अवसर मुहैया करा रहा है। इसरो द्वारा विकसित तकनीक से प्राइवेट क्षेत्र की 400 कंपनियों को लाभ हुआ है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने देश में अंतरिक्ष क्षेत्र को अगले पांच-दस वर्षों में दो अरब डॉलर के मौजूदा स्तर से नौ से 10 अरब डॉलर का उद्योग बनाने की परिकल्पना की है। सोमनाथ ने एनईएसटी समूह की कंपनी एसएफओ टेक्नोलॉजीज की कार्बन कटौती पहल का अनावरण करने के बाद शनिवार को ये बातें कहीं। एनईएसटी समूह की पहल संयुक्त राष्ट्र के 2035 तक कार्बन उत्सर्जन में 50 प्रतिशत की कमी और 2040 तक शून्य उत्सर्जन हासिल करने के उद्देश्य के अनुरूप है। एसएफओ टेक्नोलॉजीज का इसरो के साथ घनिष्ठ संबंध रहा है। दोनों ने चंद्रयान और आदित्य मिशनों के लिए मिलकर काम किया है।

संपादकीय

भारतवंशियों का संबल

यह भारत के लिये गौरव की बात है कि सारी दुनिया में भारतीय कामगारों ने खून-पसीने की कमाई से अर्जित धनराशि में से वर्ष 2022 में 111 बिलियन डॉलर अपने देश भेजे हैं। इस तरह भारत दुनियाभर में भारतवंशियों की कमाई से सबसे ज्यादा धन प्राप्त करने वाले देश के रूप में स्थापित हुआ है। यह आंकड़ा जहां विश्व में भारतीय श्रमशक्ति की गाथा को दशार्ता है, वहीं देश की अर्थव्यवस्था में उनके योगदान को दिखाता है। निश्चित रूप से यह उन कामगारों के भारत के प्रति आत्मीय लगाव को ही बताता है। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में योगदान करने वाले इन श्रमवीरों के प्रति देश कृतज्ञ है। निश्चित रूप से इसका भारतीय अर्थव्यवस्था में सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। दरअसल, इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन फॉर माइग्रेशन की विश्व प्रवासन रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2024 में भारत, मैक्सिको, चीन, फिलीपींस व फ्रांस सबसे ज्यादा धन पाने वाले देशों के रूप में सूचीबद्ध हुए हैं। यह धन भेजने के आकंड़े का बढ़ना दशार्ता है कि प्रवासियों का अपनी मातृभूमि के बीच कितना मजबूत व स्थायी संबंध है। लेकिन इसके साथ ही भारत सरकार का दायित्व बनता है कि इस उपलब्धि की खुशी मनाते वक्त प्रवासियों के सामने आने वाली चुनौतियों को भी पहचाना जाए। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट बताती है कि प्रवासी कामगारों को वित्तीय शोषण, प्रवासन लागत के कारण बढ़ते ऋण दबाव, नस्लीय भेदभाव व कार्यस्थल पर दुर्व्यवहार जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। जिनके निराकरण के लिए गंभीर प्रयास करने की जरूरत है। निस्संदेह, भारत सरकार को प्रवासी कामगारों की समस्याओं के समाधान के लिये हमारे दूतावासों के जरिये विशेष कदम उठाने चाहिए। दरअसल, खाड़ी सहयोग परिषद के राज्यों में जहां बड़ी संख्या में भारतीय प्रवासी कार्यरत हैं, उनके अधिकारों का उल्लंघन जारी है। खासकर कोविड-19 महामारी के दौरान भारतीय कामगारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। विशेष तौर पर अर्द्ध-कुशल श्रमिकों और अनौपचारिक क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों के कई तरह के संकटों को बढ़ा दिया था। बड़ी संख्या में उनकी नौकरियां खत्म हुई, वेतन नहीं मिला। सामाजिक सुरक्षा के अभाव में कई लोगों को कर्ज में डूबना पड़ा। जिसके चलते बड़ी संख्या में ये कामगार स्वदेश लौटे। वहीं अंतर्राष्ट्रीय शिक्षण संस्थानों की तरफ भारतीय छात्रों के बढ़ते रुझान की ओर भी अंतर्राष्ट्रीय रिपोर्ट इशारा कर रही हैं। बहरहाल, प्रवासन के बदलते परिदृश्य में प्रवासी भारतीयों के अधिकारों व हितों की रक्षा के लिये ठोस प्रयासों की जरूरत है। किसी भी तरह श्रमिकों का शोषण न हो और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को संबोधित करने की जरूरत है। साथ ही यह भी सुनिश्चित करना होगा कि भारतीय कामगारों के लिये सुरक्षित व व्यवस्थित प्रवासन मार्ग संभव हो सके। यह समावेशी विकास की पहली शर्त भी है। हमारा नैतिक दायित्व बनता है कि विदेशों में कामगारों के हितों की रक्षा के साथ ही भारत में रह रहे उनके परिवारों का भी विशेष ख्याल रखा जाए। जिससे उनका देश के प्रति लगाव और गहरा हो सके।

रामराज्य का मर्म समझिए

आश्चर्य होता है जब कोई केवल रामराज्य की स्थापना चाहते हैं, किंतु राम के प्रतीकों को स्वीकार नहीं करते। रामराज्य का अभिप्राय राज्य में संपूर्ण जड़ -चेतन की शुचिता एवं जीवनदर्शन की पवित्रता से है। रामराज्य व्यापार, वाणिज्य, राजनीति, परिवार, समाज और राष्ट्र के संपूर्ण स्वरूप में पवित्रता का समावेशन दृष्टि गोचर होता है। रामराज्य में किसी प्रकार की विषमता, भेद की दृष्टि से देखने एवं किसी भी प्रकार से वर्ण भेद को प्रश्रय देने की सुविधा नहीं होती है। दरअसल, श्रीराम और श्रीकृष्ण के संदेश संपूर्ण विस्तारित हैं। अगर आप प्राचीन इतिहास को देखें तो आपको नजर आएगा कि विश्व की कई सभ्यताएं समाप्त हो गईं, परंतु भारतीय एथनिक कंटिन्यूटी अभी भी अस्तित्व में है। वास्तव में ह्यहमारी सामाजिक व्यवस्था देशकाल स्थिति के साथ अनुकूलित हो जाती है।ह्ल अकबर के कालखंड में महात्मा तुलसी का जन्म हुआ, और उन्होंने रामचरितमानस की रचना भी की। कवि का उद्देश्य था भारतीय सामाजिक व्यवस्था को प्राचीनतम ऐतिहासिक विवरणों पर आधारित सामाजिक दर्शन अर्थात? सोशल फिलॉसफी के मापदंडों के साथ बचाए रखा जाए। विश्व में किसी भी साहित्य में श्रीराम के अनुज लक्ष्मण, शत्रुघ्न एवं भरत जैसे कोई चरित्र नजर नहीं आते। श्रीराम जननायक भी थे। भारत कभी इस बात को स्वीकार नहीं करता कि वे लोग जो यह कहते हैं कि सब कुछ ब्रह्म के अधीन है, गलत हैं। उन्हें भी पर्याप्त सम्मान के भाव से हम भारतीय देखते हैं। कुल मिलाकर राजाधिराज श्रीराम इतिहास पुरुष थे और श्रीकृष्ण भी भारतीय इतिहास का अभिन्न भाग थे। भारत विविधताओं में एकात्मकता का प्रमाण रहा है और रहेगा। रामराज्य की कल्पना और गांधी के संकल्प के साथ थे, हैं और रहेंगे। तब फिर राम-कृष्ण के प्रतीकों से दुराग्रह छोड़ दीजिए। रामराज्य के अर्थ की गहराई को समझने से ही हम वास्तविकता को समझ सकेंगे। असल में श्रीराम और श्रीकृष्ण ने जीवन संदेश को लेकर जो संदेश दुनिया को दिया है, उस पर मंथन करें, उसके मर्म को समझें। इस परिकल्पना में जीवन सार है। संपूर्ण ब्रह्मांड के हित की बात की गयी है। रामायण हो या फिर रामचरितमानस, इसके जरिये जीवन संदेश दिया गया है। आदर्श के साथ राज्य संचालन और राजधर्म के बारे में बताया गया है। इसलिए दुराग्रह के साथ चीजों को न पेश किया जाए तो बेहतर होगा। कई टीवी शो में कुछ लोग दुराग्रहपूर्ण बात करते हैं जो उचित नहीं।

चुनावी मुद्दों समेत भारतीयता की विकृत व्याख्या के सियासी मायने को ऐसे समझिए

कमलेश पांडे

दुनिया का सबसे बड़ा और सर्वाधिक सफल लोकतंत्र समझा जाने वाला भारतीय लोकतंत्र में कतिपय नेताओं द्वारा वक्त-वक्त पर किस प्रकार से जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र, पहाड़, मैदान, तुष्टीकरण और नस्लीय वैचारिक विकृति पिरोयी गई, यह राजनैतिक और सामाजिक शोध का विषय है। क्योंकि सिर्फ बहुमत प्राप्ति की गरज से नेताओं ने जिन नीतिगत उलटबांसियों को तवज्जो दी, उससे शांतिपूर्ण और सहिष्णु भारतीय समाज का बहुत बड़ा अहित हुआ है। वहीं, इन बातों का दुष्प्रभाव चुनावी राजनीति पर भी पड़ा है।

सच कहूं तो ऐसे नेताओं की शतरंजी सियासी चालों से न केवल क्षेत्रीयता बल्कि राष्ट्रीयता का भाव भी प्रभावित हुआ है। वहीं, परिवारवाद और सम्पर्कवाद के खेल ने सियासी स्थिति-परिस्थिति को और अधिक जटिल बना दिया है। ऐसा मैं इसलिए कह रहा हूँ कि एनआरआई बुद्धिजीवी सैम पित्रोदा ने भारतीयता की जो शर्मनाक व्याख्या की है, वह आम चुनाव 2024 को आने वाले दिनों में एक नई दिशा देगी। उनके हालिया बयानों से जो बहस छिड़ेगी, उसका उत्तर देना बिल्कुल आसान नहीं होगा। क्योंकि इससे पहले शायद ही किसी ने विभिन्न रूप रंग वाले भारतीयों को ऐसी उपमा दी हो। जो बेतुकी ही नहीं, बल्कि आपत्तिजनक भी है। इसलिए आशंका है कि गत तीन चरणों के चुनावों में कांग्रेस नीत इंडिया गठबंधन को जो तवज्जो मिली, वह चौथे चरण से

प्रभावित भी हो सकता है।

सैम पित्रोदा के शब्दों में, "हम भारत जैसे विविधता से। भरे देश को एकजूट रख सकते हैं। जहाँ पूर्व के लोग चीनी जैसे लगते हैं, पश्चिम के लोग अरब और उत्तर के लोग गोरों जैसे दिखते हैं, जबकि दक्षिण भारतीय अफ्रीकी जैसे लगते हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, हम सब भाई-बहन हैं। भारत में अलग-अलग क्षेत्र के लोगों के रीति-रिवाज, खान-पान, धर्म, भाषा भिन्न हैं, लेकिन भारत के लोग एक दूसरे का सम्मान करते हैं।" इससे पहले उन्होंने कहा है कि, "हम 75 साल से बहुत सुखद माहौल में रह रहे हैं, जहां कुछ लड़ाइयों को छोड़ दें तो लोग साथ रह रहे हैं।" देखा जाए तो भारतीयों की पहचान को विदेशी मूल से जोड़कर देखने का सैम पित्रोदा ने जो दुस्साहस किया है, उससे आगबबूला हुई भाजपा ने उनके बेतुके बयान को ही चुनावी मुद्दा बना दिया। पार्टी का आरोप है कि धर्म के आधार पर हुए राष्ट्र विभाजन के पश्चात अब चमड़ी व रंग के आधार पर कांग्रेस देश को बांटने की साजिश रच रही है।

समझा जाता है कि उनके बयान के बाद बैक फुट पर दिखाई पड़ी कांग्रेस को राजनैतिक धर्मसंकट से बचाने के लिए उन्होंने इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष पद से त्यागपत्र दे दिया, जिसे कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा स्वीकार कर लिया गया है, जो कि बड़ी बात है। वहीं, कांग्रेस ने उनकी टिप्पणियों से खुद को पूरी तरह से अलग कर लिया है, क्योंकि उसका मानना है कि भारत की विविधता को चित्रित करने के लिए एक पॉडकास्ट में पित्रोदा द्वारा दी गई उपमाएं बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और अस्वीकार्य हैं। बता दें कि पिछले दिनों भी सैम पित्रोदा ने भारत में अमेरिका की तर्ज पर विरासत टैक्स की पैरवी कर कांग्रेस की खूब किरकिरी कराई थी। उससे पहले वह यह भी कह गए थे कि अयोध्या में निर्मित राम मंदिर भारत के विचार के विपरीत है। यदि पिछले तीनों लोकसभा चुनावों यानी 2014, 2019 और 2024 में कतिपय कांग्रेसी नेताओं के बयानों पर गौर किया जाए तो मणिशंकर अय्यर, शशि थरूर से लेकर सैम पित्रोदा तक पार्टी नेताओं की ऐसी फेहरिस्त है, जिनके बयानों से पीएम मोदी की सरकार को अकस्मात चुनावी संजीवनी मिली। यही वजह है कि इस बार कांग्रेस नेतृत्व ने समय रहते ही निर्णय ले लिया और पित्रोदा का इस्तीफा स्वीकार कर लिया, ताकि चुनावी डैमेज कंट्रोल किया जा सके।

मेरा स्पष्ट मानना है कि गोरे अंग्रेजों से लेकर काले अंग्रेजों तक ने कभी बहुमत प्राप्ति की गरज से तो कभी किसी लॉबी को संतुष्ट करने के लिए जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र, लिंग, पहाड़, मैदान, उत्तर, दक्षिण, पूरब, पश्चिम, तुष्टीकरण और नस्लीय आधार पर व्यक्तियों के विभाजन का जो सिलसिला प्रारंभ किया, वह आज तक जारी है। इसके आधार पर हुई गोलबंदी से भारतीय संविधान भी अछूता नहीं बचा और उनके निर्माण से लेकर विभिन्न संशोधनों तक में जो वैचारिक विकृति की बू आती है, वह चुनाव दर चुनाव किसी न किसी त्रासदी को जन्म देती आई है, जिससे बचे जाने की जरूरत है। कहना न होगा कि एक भारत और श्रेष्ठ भारत का विचार उत्तम है, लेकिन मौजूदा कानूनी विसंगतियों के उन्मूलन के बिना उसे कतई नहीं पाया जा सकता, यही शाश्वत सत्य है। यह कड़वा सच है कि जब तक भारतीय मतदाताओं को बरगलाने का सिलसिला जारी रहेगा, तबतक सियासी स्थायित्व की कल्पना बेमानी है।

पीर पराई चुनावी मुद्दा क्यों नहीं बनता?

ललित गर्ग

लोकसभा चुनाव का चौथा चरण पूरा हो गया है, जैसे-जैसे चुनाव आगे बढ़ रहे हैं राजनेताओं एवं उम्मीदवारों के दागदार चरित्र की परते खुलती जा रही है। एक समय था कि जब लोग देश के नेताओं के सार्वजनिक जीवन में आचरण का अनुसरण करते थे। नेताओं को भी समाज में अपनी छवि व प्रतिष्ठा की फिक्र रहती थी। लेकिन हाल के वर्षों में राजनीति में कई क्षत्रप परिवारों के ऐसे नेता भी सामने आए हैं जिन्होंने सत्तामद में चूर होकर तमाम नैतिकताओं व मयार्दाओं को ताक पर रखा। पिछले दिनों कर्नाटक में हासन सीट से जनता दल (सेक्यूलर) के सांसद प्रज्वल रेवन्ना पर सैकड़ों महिलाओं के साथ दुराचार के जो गंभीर आरोप लगे, उसने राजनीति में पतन की पराकाष्ठा को दशार्या है। वही रांची में एक पुराने मामले की जांच कर रही ईडी को रेड में झारखंड सरकार में मंत्री आलमगीर आलम के निजी सचिव के घर पर काम करने नौकर के यहां से 39 करोड कैश बरामद हुआ है। यौन उत्पीड़न, दुराचार, भ्रष्टाचार एवं देशद्रोह पर सवार नेताओं एवं दागदार उम्मीदवारों से जुड़ा यह चुनाव लोकतंत्र पर एक गंभीर प्रश्न है। हमारी राजनीति एक त्रासदी बनती जा रही है। राजनेता सत्ता के लिये सब कुछ करने लगा और इसी होड़ में राजनीति के आदर्श ही भूल गया, यही कारण है देश की फिजाओं में विषमताओं और विसंगतियों का जहर घुला हुआ है और कहीं से रोशनी की उम्मीद दिखाई नहीं देती। डर लगता है राजनीतिक भ्रष्टाचारियों से, अपराध को मंडित करने वालों से, सत्ता का दुरुपयोग करने वालों से, देश की एकता एवं अखण्डता को दांव पर लगाने वालों से एवं यौन उत्पीड़न व दुराचार से नारी अस्मिता को नौंचने वालों से।

देश दुख, दर्द और संवेदनहीनता के जटिल दौर से रूबरू है, समस्याएं नये-नये मुखौटे ओढ़कर डराती है, भयभीत करती है। समाज में बहुत कुछ बदला है, मूल्य, विचार, जीवन-शैली, वास्तुशिल्प सब में परिवर्तन है। चुनाव प्रक्रिया बहुत खचीर्ली होती जा रही है। ईमानदार होना आज अवगुण है। अपराध के खिलाफ कदम उठाना पाप हो गया है। धर्म और अध्यात्म में रुचि लेना साम्प्रदायिक माना जाने लगा है। किसी अनियमितता का पदार्फाश करना पूर्वाग्रह माना जाता है। सत्य बोलना अहम् पालने की श्रेणी में आता है। साफगोही अव्यावहारिक है। भ्रष्टाचार को प्रश्रय नहीं देना समय को नहीं पहचानना है। चुनाव के परिप्रेक्ष्य में इन और ऐसे बुनियादी सवालों पर चर्चा होना जरूरी है। आखिर कब तक राजनीतिक स्वार्थों के नाम पर नयी

गढ़ी जा रही ये परिभाषाएं समाज और राष्ट्र को वीभत्स दिशाओं में धकेलती रहेगी? विकासवाद की तेज आंधी के नाम पर हमारा देश, हमारा समाज कब तक भुलावे में रहेगा? चुनाव के इस महायज्ञ में सुधार की, नैतिकता की, मूल्यों की, सिद्धान्तों की बात कहीं सुनाई नहीं दे रही है? दूर-दूर तक कहीं रोशनी नहीं दिख रही है। बड़ी अंधेरी और घनेरी रात है। न आत्मबल है, न नैतिक बल।

महान एवं सशक्त भारत के निर्माण के लिए आयोज्य यह चुनाव रूपी महायज्ञ आज महाभारत बनता जा रहा है, मूल्यों और मानकों की स्थापना का यह उपक्रम किस तरह लोकतंत्र को खोखला करने का माध्यम बनता जा रहा है, यह गहन चिन्ता और चिन्तन का विषय है। विशेषतः चारित्रिक अवमूल्यन, आर्थिक विसंगतियों एवं विषमताओं को प्रश्रय देने का चुनावों में नंगा नाच होने लगा है और हर दल इसमें अपनी शक्ति का बढ़-चढ़कर प्रदर्शन कर रहे हैं। बात केवल चुनावी चंदे ही नहीं बल्कि विदेशों से मिलने वाले चंदों की भी है। आज सवाल बहुत बड़ा है और वह है भारत की राजनीति को प्रत्यक्ष विदेशी प्रभाव से बचाना। आम आदमी पार्टी पर जिन कथित भारत-विरोधी विदेशी ताकतों से भारी राशि लेने के आरोप लगे हैं, वह हमारी समूची चुनाव प्रणाली के लिए चुनौती है।

क्या कभी सत्तापक्ष या विपक्ष से जुडे.लोगों ने या नये उभरने वाले राजनीतिक दावेदारों ने, और आदर्श की बातें करने वाले लोगों ने, अपनी करनी से ऐसा कोई अहसास दिया है कि उन्हें सीमित निहित स्वार्थों से ऊपर उठा हुआ राजनेता समझा जाए? यहां नेताओं के नाम उतने महत्वपूर्ण नहीं हैं न ही राजनीतिक दल महत्वपूर्ण है, महत्वपूर्ण है यह तथ्य कि इस तरह का कूपमण्डूकी नेतृत्व कुल मिलाकर देश की राजनीति को छिछला ही बना सकता है। सकारात्मक राजनीति के लिए जिस तरह की नैतिक निष्ठा की आवश्यकता होती है, और इसके लिए राजनेताओं में जिस तरह की परिपक्वता की अपेक्षा होती है, उसका समूचे विपक्षी दलों में अभाव एक पीड़ादायक स्थिति का ही निर्माण कर रहा है। और हम हैं कि ऐसे नेताओं के निर्माण में लगे हैं! चुनावों से लोकतांत्रिक प्रक्रिया की शुरूआत मानी जाती है, पर आज चुनाव लोकतंत्र का मखौल बन चुके हैं। चुनावों में वे तरीके अपनाएं जाते हैं जो लोकतंत्र के मूलभूत आदर्शों के प्रतिकूल पड़ते हैं। इन स्थितियों से गुरजते हुए, विश्व का अव्वल दर्जे का कहलाने वाला भारतीय लोकतंत्र आज अराजकता के चौराहे पर है। जहां से जाने वाला कोई भी रास्ता निष्कंटक नहीं दिखाई देता। इसे चौराहे पर खडे. करने का दोष जितना जनता का है उससे कई गुना अधिक राजनैतिक दलों व नेताओं का है जिन्होंने निजी व दलों के स्वार्थों की पूर्ति को माध्यम बनाकर इसे बहुत कमजोर कर दिया है। आज ये दल, ये लोग इसे दलदल से निकालने की क्षमता खो बैठे हैं। महाभारत की लड़ाई में सिर्फ कौरव-पांडव ही प्रभावित नहीं हुए थे। उस युद्ध की चिंगारियां दूर-दूर तक पहुंची थीं। साफ दिख रहा है कि इस महाभारत में भी कथित अराजक राजनीतिक एवं आर्थिक ताकतें अपना असर दिखाने की कोशिश कर रही है, जिसके दूरगामी परिणाम होंगे। इन स्थितियों में अब ऐसी कोशिश जरूरी है जिसमें महान भारत के नाम पर महाभारत की नई कथा लिखने वालों के मंतव्यों और मनसूबों को पहचाना जाए।

अरविंद केजरीवाल को मिली अंतरिम जमानत के सियासी मायने को ऐसे समझिए

सुप्रीम कोर्ट के एक साहसिक निर्णय से जेल में बंद भारतीय राजनेताओं के चुनावों के दौरान बाहर आने और चुनाव प्रचार में अपनी भागीदारी जताने का मार्ग प्रशस्त हो चुका है। समझा जाता है कि कोर्ट के इस उदार पहल से भारत में एक नई सियासी क्रांति का आगाज हो सकता है। लिहाजा, इस निर्णय के सफेद और स्याह पक्ष पर चर्चा करने से पहले यह बता दें कि दिल्ली एक्साइज पॉलिसी घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी की जांच का सामना कर रहे और पिछले 50 दिन से जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट ने आगामी एक जून 2024 तक के लिए अंतरिम जमानत दे दी है।

ऐसा इसलिए कि अरविंद केजरीवाल को दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति 2021-22 में कथित अनियमितताओं से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में विगत 21 मार्च 2024 को ईडी ने गिरफ्तार किया था। ईडी के इस निर्णय की तब बहुत आलोचना हुई थी, क्योंकि मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए ही उन्हें गिरफ्तार किया गया था, जो भारतीय राजनीतिक इतिहास की अनोखी घटना बन चुकी है। इसी मामले में गत 8 मई 2024 को सुप्रीम कोर्ट में न्यायमूर्ति संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने सुनवाई की।

सुनवाई के दौरान ही न्यायमूर्ति खन्ना ने प्रवर्तन निदेशालय के वकील अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू से कहा था कि वह केजरीवाल को अंतरिम राहत पर शुक्रवार को आदेश पारित कर सकते हैं। इससे एक दिन पहले भी यानी गत 7 मई को सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर कहा था कि मामले की सुनवाई जल्दी पूरी होने की उम्मीद नहीं है। ऐसे में कोर्ट लोकसभा चुनाव को देखते हुए केजरीवाल को अंतरिम जमानत देने पर विचार कर सकता है।

हालांकि, कोर्ट ने शर्त रखी थी कि अगर चुनाव प्रचार के लिए जमानत दी जाती है तो वह मुख्यमंत्री के तौर पर काम नहीं करेंगे और न ही किसी फाइल पर हस्ताक्षर करेंगे। फिर भी दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जेल भिजवाने वाली ईडी परेशान हो गई। आनन-फानन में ईडी ने एक हलफनामा दायर करके उनके अंतरिम जमानत का विरोध किया और कुछ अकाट्य दलीलें भी दी। जिस पर केजरीवाल की लीगल टीम ने भी कड़ी आपत्ति जताई। जिसके दृष्टिगत सुप्रीम कोर्ट ने ईडी की सभी दलीलों को दरकिनार करते हुए केजरीवाल को अंतरिम जमानत दे दी।

यही वजह है कि जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत मिलने के सियासी और न्यायिक मायने तलाशे जा रहे हैं। क्योंकि यह एक असाधारण न्यायिक आदेश है, जो अब बौद्धिक विमर्श का मुद्दा भी बन चुका है। समझा जा रहा है कि कोर्ट के ताजा निर्देश से जहां देश में जनतांत्रिक भावनाओं को बल मिलेगा, वहीं भ्रष्टाचार और अपराध में शामिल राजनेताओं का मनोबल भी बढ़ेगा। क्योंकि जेल से बाहर रहने का एक अमोघ कानूनी हथियार कोर्ट के फैसले से उन्हें मिल चुका है। लिहाजा, आने वाले दिनों में जेल में बंद भारतीय राजनेताओं के द्वारा चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत मांगे जाने के मामले बढ़ेंगे।

बता दें कि ईडी ने सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा देकर यह स्पष्ट कर दिया है कि केजरीवाल को किसी भी तरह की विशेष राहत देकर चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत दिया जाना समानता और कानून के शासन के लिए अभिशाप जैसा होगा। इससे ऐसी नजीर कायम होगी कि सभी अपराध करने वाले अनैतिक राजनेता चुनाव की आड़ में जांच को नजरअंदाज करेंगे, चाहे वो पंचायत चुनाव हो, नगरपालिका चुनाव हो, विधानसभा चुनाव हो या फिर आम चुनाव। यदि वे गिरफ्तार किए जाते हैं तो प्रचार के लिए अंतरिम जमानत मांगेंगे।

दो कदम आगे की सोचते हुए उसने तर्क दिया कि आजतक किसी भी राजनेता को चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत नहीं दी गई, चाहे जेल में बंद वह व्यक्ति स्वयं भी प्रत्याशी क्यों न रहा हो, जबकि केजरीवाल तो उम्मीदवार भी नहीं हैं। ऐसे भी कई उदाहरण हैं कि अपराधी जेल से ही चुनाव लड़े और जीत भी गए, लेकिन उन्हें कभी इस आधार पर जमानत नहीं मिली। वैसे भी चुनाव प्रचार न तो संवैधानिक अधिकार है और न ही मौलिक अधिकार। लिहाजा ऐसा होने से कानून का उल्लंघन करने वाले हर अपराधी को राजनीतिज्ञ बनने और वर्ष भर प्रचार के मोड में रहने का प्रोत्साहन मिलेगा। राजनेता आम आदमी से ऊपर होने और विशेष दर्जे का दावा नहीं कर सकता। ईडी ने अपनी दलील में चुनाव प्रचार के लिए केजरीवाल को अंतरिम जमानत देने का विरोध करते हुए कहा कि मतदान का अधिकार, जिसे कोर्ट ने संवैधानिक अधिकार माना है, वह भी हिरासत के दौरान नहीं रहता। जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा 62(5) जेल में बंद व्यक्ति के मतदान के अधिकार में कटौती की बात करती है। यह चीज देखने लायक है कि पिछले पांच सालों में करीब 123 चुनाव हुए हैं और अगर किसी राजनेता को चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत दी जाने लगे तो किसी भी राजनेता को गिरफ्तार करके जेल में नहीं रखा जा सकता, क्योंकि चुनाव तो सालभर चलने वाली गतिविधि है। हर राजनीतिज्ञ हर स्तर पर यह दलील दे सकता है कि अगर उसे जमानत नहीं दी गई तो उसे न भरपाई होने वाला नुकसान होगा।

ईडी ने स्पष्ट तौर पर कहा कि इस समय सिर्फ पीएमएलए कानून में ही बहुत से नेता जेल में हैं। उनके मामलों को जांचने के बाद सक्षम अथॉरिटी ने उनकी हिरासत को सही ठहराया है। बहुत से नेता पीएमएलए के अलावा अन्य अपराधों में जेल में होंगे। ऐसे में अरविंद केजरीवाल के साथ विशेष व्यवहार करने और उनकी विशेष मांग स्वीकार करने का कोई कारण नहीं है। उसने तो यहां तक कह दिया कि केजरीवाल ने कई समन के बाद भी जांच एजेंसी के सामने पेश न होने के पीछे पांच राज्यों में चुनाव का यही आधार दिया था। ऐसे में अगर कोर्ट ने केजरीवाल को अंतरिम जमानत दी तो उनके द्वारा आप के स्टार प्रचारक होने के आधार पर प्रचार के लिए समन को नजरअंदाज करने का कारण बनाये जाने पर न्यायिक मुहर लग जाएगी। साथ ही प्रचार के लिए अन्तरिम जमानत से प्रचार की इच्छा रखने वाले नेताओं का एक अलग वर्ग बन जायेगा।

हालांकि कोर्ट ने ईडी की एक न सुनी और अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत देकर यह स्पष्ट कर दिया कि भारतीय लोकतंत्र को किंतु-परन्तु के आधार पर नहीं, बल्कि स्पष्ट और पारदर्शी नीतियों के आधार पर ही चलाया जाएगा। संभव है कि अगली संसद इससे सबक लेगी और नेताओं के लिए आवश्यक कानून बनाएगी या फिर पूर्व की विसंगतियों को दूर करेगी। यह स्वाभाविक सवाल है कि जब चुनावी मौसम हो और दल विशेष का प्रमुख नेता ही जेल में हो तो उसकी पार्टी को सही जनादेश कैसे मिल पाएगा। शायद इसलिए कोर्ट ने अंतरिम जमानत की नई राह दिखा दी और सियासी नकेल अपने हाथों में रख ली।

नदी में नहाते समय दो भाइयों की डूबने से हुई मौत, परिवार में मचा कोहराम

मिजार्पुर। मिजार्पुर जिले के ड्रमंडगंज बाजार निवासी दो बालक रविवार को नहाते समय सेवटी नदी में डूब गए। जानकारी मिलने पर स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें पानी से बाहर निकाला गया। आनन-फानन परिजन दोनों को इलाज के लिए कोरांव ले गए। वहां डॉक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के ड्रमंडगंज बाजार निवासी लवकुश केसरी का 10 साल का बेटा रूद्र और आठ साल का लक्ष्य रविवार को सेवटी नदी में नहाते समय नदी के गहरे पानी में जाने से डूब गए। सूचना पर पहुंचे परिजन आनन-फानन में दोनों बच्चों को नदी के गहरे पानी से बाहर निकालकर उपचार के लिए अस्पताल ले गए। जहां डाक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

पुलिस अधीक्षक के आदेश पर दर्ज हुआ मारपीट का दूसरा मुकदमा

तेजीबाजार (जौनपुर)। पुलिस अधीक्षक के आदेश पर सुजानगंज पुलिस ने दर्ज किया मां के विरुद्ध दूसरा मुकदमा। तेजीबाजार थाना क्षेत्र के नरी खुंशापुर निवासी शिवांगी निषाद ने पुलिस को अधीक्षक को दिए गई प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया कि चौकिया धाम मंदिर में मैंने रमाकांत से शादी कर लिया।नाराज मेरी मां ने 28 फरवरी 2024 को मेरी मां ने मेरे घर में घुसकर मेरी जेठानी को मारपीट कर घायल कर दिया था। जिसका मुकदमा तेजी बाजार थाने में पंजीकृत है।मायके वालों को डर से मैं अपने पति के ननिहाल सुजानगंज थाना क्षेत्र के खतिरहां में छिपकर रहती थी। लेकिन जब मेरी मां को पता चला तो वह 2 मई को वहां दो अज्ञात महिलाओं के साथ पहुंची और मुझे लात घूंसे से मारपीट कर घायल कर दिया। जिससे मुझे चोटें आई हैं।वही जान से मारने की धमकी भी दिया। सुजानगंज पुलिस को प्रार्थना पत्र दिया लेकिन कार्रवाई नहीं हुई ऐसे में पुलिस अधीक्षक के आदेश पर सुजानगंज पुलिस ने मां व दो अज्ञात की विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

बस की चपेट में आने से स्कूटी सवार छात्रा की दर्दनाक मौत

प्रखर जौनपुर। शाहगंज में सोमवार सुबह हुए सड़क हादसे में एक छात्रा की मौत हो गई । छात्रा स्कूल से स्कूटी पर बैठकर घर वापस लौट रही थी। स्थानीय लोगों ने उसे गंभीर हालत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया । पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है और आगे की कार्यवाही में जुट गई है । जानकारी के मुताबिक अक्खीपुर गांव के धर्मेंद्र यादव की बेटी प्रियंका यादव खुटहन रोड स्थित सरस्वती ज्ञान मंदिर में पढ़ती थी । सोमवार को छुट्टी के बाद वो स्कूटी के जरिए घर वापस लौट रही थी । स्कूटी पर उसकी चचेरी बहन साक्षी भी बैठी थी । बताते हैं कि उसकी स्कूटी अंबेडकर मूर्ति के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार प्राइवेट बस की चपेट में आ गई । हादसे में छात्रा के चेहरे और सिर पर गंभीर चोट आई आनन फानन में स्थानीय लोगों ने छात्रा को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने छात्रा को मृत घोषित कर दिया । छात्रा की मौत की खबर सुनकर परिजनों में कोहराम मच गया । प्रधानाचार्य ने बताया कि छात्रा छुट्टी के बाद घर लौट रही थी और तेज रफ्तार प्राइवेट बस की चपेट में आ गई । पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है और आगे की कार्यवाही में जुटी है।

संक्षिप्त खबरें

हरपुर न्याय पँचायत में ग्राम प्रधान व बच्चों ने निकाली मतदाता जागरूकता रैली

प्रखर गोरखपुर। हरपुर न्याय पँचायत में सोमवार को प्राथमिक विद्यालय के बच्चो के साथ हरपुर ग्राम प्रधान और पंचायतिराज सलाहकार मदनमुरारी गुप्ता के नेतृत्व में मतदाता जागरूकता रैली निकालकर ग्रामीणों को लोकसभा चुनाव के लिये एक जून को होने वाले मतदान के दिन वोट देने के लिये जागरूक किया गया। मतदाता जागरूकता रैली इंग्लिश मीडियम प्राइमरी विद्यालय हरपुर से शुरू होकर अनन्तपुर, दरघाट ग्राम पंचायतों में पहुंची जहां उन ग्राम पंचायतो के प्रधान जोखू निषाद (अनन्तपुर) और दरघाट के प्रधान रामगोपाल के नेतृत्व में गांव चौराहे पर लोगो को मतदान करने के लिये जागरूक किया गया। इस दौरान शिक्षकों के साथ स्कूली बच्चो ने पहले मतदान फिर जलपान आदि के नारे लगाते हुए जागरूक किया, ग्राम प्रधान मदनमुरारी गुप्ता ने किसी भी प्रलोभन और भय के बिना मतदान करने की अपील लोगो से की। वही हरपुर क्लस्टर की ग्राम विकास अधिकारी सुषमा चौबे ने कहा कि लोकसभा चुनाव में सभी लोग मतदान कर वोटिंग का प्रतिशत बढ़ाये ताकि देश मे मजबूत और अच्छी सरकार चुनी जा सके।

बैंक शाखा में हुआ ग्राहक संगोष्ठी का आयोजन दी गई जानकारी

जखनिया। गाजीपुर । स्थानीय कस्बा के भारतीय स्टेट बैंक शाखा में ग्राहक संगोष्ठी का आयोजन कर शाखा प्रबंधक यशवंत विष्णु पाल ने उपभोक्ताओं को बैंक सहूलियत संबंधित जानकारी दी।जानकारी दी । बताया कि एसबीआई द्वारा बैंक से संबंधित लोगों के लिए सरकार द्वारा जारी की गई योजनाओं को डोर टू डोर प्रचार कर उपभोक्ताओं को जागरूक करने पर बल दिया जा रहा है।बैंक कर्मचारी योजनाओं की जानकारी लेकर उपभोक्ताओं को लाभान्वित करवाने के उद्देश्य से गांवो में शिविर लगाकर जानकारी दे रहे हैं। बताया कि किसानों के लिए क्रेडिट कार्ड व एग्री गोल्ड लोन सरलीकरण से मुहैया कराया जा रहा है। युवाओं व व्यापारियों के लिए मुद्रा लोन योजना से 10 लाख तक के ऋण मुहैया कराए जा रहे हैं ।प्रधानमंत्री योजना के अंतर्गत अपनी पत्रावली को प्रमाणित कराने पर 20 लाख तक के ऋण दिए जाने का भी प्रावधान है। गोल्ड लोन व्यापारियों में व एग्री गोल्ड लोन किसानों को सस्ते दर से स्वीकृत किए जाने हैं ।यह भी बताया कि बैंक की पुरानी योजनाओं को भी लागू किया जा रहा है ।किसान को खरीफ की खेती के लिए पुराने लोन को जमा कर नया लोन लेने पर उन्हें ब्याज दर में छूट भी मिलेगी। मौके पर ग्राम विकास अधिकारी ,प्रमुख लेखाकार सहित काफी संख्या में लोग रहे ।

10वीं में अनुष्का सिंह ने प्राप्त किया 93.8 प्रतिशत

प्रखर थानागद्दी जौनपुर। क्षेत्र के देव इंटरनेशनल स्कूल शिवरामपुर के बच्चों ने उम्मीद से अधिक शानदार प्रदर्शन किया। विद्यालय का परिणाम शत प्रतिशत रहा। विद्यालय की 10वीं की छात्रा अनुष्का सिंह ने 93.8% अंकों के साथ प्रथम स्थान पर रही। विद्यालय का 12वीं का परिणाम शानदार रहा। विद्यालय के छात्र ऋषभ मौर्य ने 91.6 अंको के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस परीक्षा परिणाम से छात्रों, अभिभावकों एवं सभी शिक्षकगण में हर्ष एवं खुशी का माहौल रहा। विद्यालय के निदेशक अमर देव सिंह ने सभी छात्रों एवं अध्यापकों को बधाई दी एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

शत-प्रतिशत मतदान कर अपनी आवाज को बुलन्द करें

प्रखर वाराणसी। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद वाराणसी के जिलाध्यक्ष शशिकान्त श्रीवास्तव ने कहा कि भारत देश एक महान देश है जहा सभी संप्रदाय के लोग निवास करते हैं हल्के से मनमुटाव के साथ जब देश पर बात आती है तो सब एक साथ खड़े मिलते है राष्ट्र में एक सशक्त सरकार बनाने के लिए हम सबको एक साथ मिलकर मतदान करना चाहिए। वाराणसी जनपद में एक जून को चुनाव है जिसके लिए हम सब तैयार है और एक पर्व के रूप में उत्सव मनाते हुए अपने बूथ तक परिवार सहित जायेंगे और मतदान करके भारत देश को एक मजबूत और सशक्त सरकार बनाने का कार्य करेंगे उन्होंने कहा कि इसी मतदान से चुनी हुई सरकार से हम अपनी बातों को लोकतांत्रिक तरीके से स्वतंत्र रूप से रखकर पूरी करवाते हैं और सुविधाएं प्राप्त करते हैं।हम सब एक समान है एक साथ मिलकर आओ चलो मतदान करे और पूरे भारत में सभी जनपदों से आगे रहते हुए अधिकतम मतदान को 90-95 प्रतिशत तक कर वाराणसी जनपद को एतिहासिक स्थान दें।

छात्रों ने किया पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कर्मचारी पर जानलेवा हमला

प्रखर जौनपुर। थाना कोतवाली क्षेत्र के परमानतपुर उमरपुर निवासी पूर्वांचल विश्व विद्यालय के कर्मचारी को छात्रों ने जानलेवा हमला कर दिया। इसी थाना क्षेत्र निवासी निपेंद्र सिंह उम्र 45 वर्ष पुत्र इंद्रजीत सिंह रोज की तरह विद्यालय पहुंचें थें। सोमवार की सुबह करीब 10 बजे विश्व विद्यालय में निपेंद्र सिंह और छात्रों से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई उसी दौरान आक्रोशित छात्रों ने उन पर जानलेवा हमला करते हुए ईट से सर पर हमला कर दिया। घातक हमले से निपेंद्र सिंह वहीं अचेत होकर गिर गए जिसके बाद उन्हें निजी वाहन से जिला अस्पताल लाया गया। चिकित्सक ने हालत गंभीर देखते हुए उन्हें वाराणसी बीएचयू रेफर कर दिया।

नगर पालिका अध्यक्ष के पति पर जानलेवा हमला, चार के खिलाफ मामला दर्ज

प्रखर जौनपुर। नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष के पति पर आज हमला कर दिया गया है। अध्यक्ष के पति हमला करने के मामले में पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया है। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि सोमवार की सुबह 9 बजे भारतीय जनता पार्टी की अध्यक्ष मनोरमा मौर्य के पति राम सूरत मौर्य प्रेमराजपुर से निकल रहें थें कि उसी समय तीन से चार की संख्या में रहें लोगों ने उन पर आक्रमण कर दिया। नगर पालिका अध्यक्ष के पति राम सूरत मौर्य वहां से भाग कर किसी तरह से अपनी जान बचाई है। घटना का कारण पुरानी रंजिश बताई जा रही है। पुलिस ने उनकी तहरीर के आधार पर मुकदमा अपराध संख्या 189 बटे 24 धारा 323 352 504 506 के तहत मामला पंजीकृत कर लिया है। इस मामले की विवेचना चौकी प्रभारी पुरानी बाजार संजय कुमार ओझा द्वारा की जा रही है।

मरियाहू सेंट जेवियर्स इंटर कॉलेज की छात्राओं ने मारी बाजी

प्रखर मडियाहू। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने सोमवार को कक्षा 10वी व 12वीं बोर्ड परीक्षा के परिणाम घोषित किए। जिसमें सेंट जेवियर इंटर कॉलेज काजीपुर मडियाहू कक्षा 10वी के छात्र मोहम्मद जरगाम ने 92 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया तो वही दिव्यांश विश्वकर्मा 91.2 प्रतिशत व अन्य सेट 89% अंक प्राप्त किया। वही कक्षा 12वीं की छात्र अंशिका दुबे 94% तो वही आंचल वर्मा 93.2 प्रतिशत सुप्रिया राजभर 92.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया विद्यालय की अध्यक्ष सिस्टर अनूप एवं प्रधानाचार्य मेरी फ्रैंक ने परीक्षा में सफल हुए छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की और आशिर्वाद दिया।

तनिष्क यादव को मिला 91 फीसदी अंक

प्रखर जौनपुर। मां दुर्गा जी विद्यालय सिद्दीकपुर में हाई स्कूल सीबीएसई बोर्ड का छात्र तनिष्क यादव ने 91 फीसदी अंक हासिल कर मान बढ़ाया है। बता दें कि तनिष्क यादव सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के करंजाकला गांव के निवासी हैं।सफलता पर तनिष्क ने कहा कि शॉर्टकट छोड़ें, नियमित तीन से चार घंटा पढ़ाई करें और शिक्षकों के सानिध्य में रहे, निश्चित ही किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। भविष्य में वह आईएस बनकर देश की सेवा करना चाहते हैं। वैष्णो डिग्री कॉलेज करंजाकला के प्रबंधक रामानंद यादव बेटे की सफलता पर खुशी जाहिर किया। लोगों ने मिलकर बधाई दी।

राष्ट्रीय हिन्दू दल ने चारों शंकराचार्य को भेजा पत्र, धर्मगुरुओं के लिए आदेश जारी करने की मांग

वाराणसी। राष्ट्रीय हिन्दू दल संगठन अध्यक्ष रोशन पाण्डेय ने देश के चारों शंकराचार्यों को पत्र व मेल भेज कर हिन्दू वोटरों को जागरूक करने के लिए धमार्देश जारी करने का आग्रह किया है। राष्ट्रीय हिन्दू दल संगठन अध्यक्ष रोशन पाण्डेय ने कहा कि मौलाना, मौलवी अपने अपने क्षेत्रों में मुस्लिम वोटरों को जागरूक कर रहे हैं हिन्दू धर्म गुरु कब करेंगे? एसोसिएशन ऑफ सुन्नी मुस्लिम द्वारा देश से बाहर रह रहे भारत मे वोट डालने वाले मुस्लिमों को निशुल्क हवाई टिकट दी जा रही है और वो भी कांग्रेस को वोट देने के लिये।

कारण, केवल मुस्लिम वर्चस्व के लिए तो हिन्दू धर्मगुरु क्यों नहीं कर सकते हैं? हिंदुओं को हर कॉलोनी,चौक पर एक मठ (महंत)/ धर्मगुरु की जिम्मेदारी होनी चाहिए जो हिन्दूओं को उनकी संस्कृति का मार्गदर्शन /जागृत कर सके.(मौलवी,इमाम ,मस्जिद इस तकनीक का खुब उपयोग कर रहे हैं। सनातनी धर्मगुरु कब करेंगे?

रोशन पाण्डेय ने पत्र में लिखा कि हिंदू समाज संस्कृति व हिंदू हितों की रक्षा के लिए हिंदू समाज को जागरूक करने का निर्देश सभी धर्म गुरुओं कथावाचक को साधु संतों महंतों को निर्देश जारी करने की कृपा करें। क्योंकि भारत के 800 जिलों में से 200 जिलों में हिन्दू खत्म हो चुके हैं। रोहिंग्या बांग्लादेशी मुसलमानों को नागरिक बनाकर वोट जिहाद हो रहा है, बड़ी संख्या में धर्मांतरण कराया जा रहा है, ये सनातन संस्कृति और हिन्दूओं के लिए गंभीर खतरा है। घुसपैठ, धर्मांतरण और जनसंख्या विस्फोट रोकने के लिए तुरंत कठोर कानून नहीं बना तो भारत बर्बाद हो जाएगा इसलिए कानून में बदलाव और नये कानून पारित करने के लिए राष्ट्रवादी सनातनी पार्टी भाजपा को 400 से ज्यादा सीटें लाना अतिआवश्यक है और इसमें आप बहुत बड़ा सहयोग कर सकते हैं।

कार्यकर्ताओं के बल पर रचा जाएगा इतिहास : डा. महेन्द्रनाथ पांडेय

धीना। कार्यकर्ता पार्टी के रीढ़ के हड्डी होते है।कार्यकर्ताओ के बल पर ही इस बार लोकसभा चुनाव में इतिहास रचने का काम किया जाएगा।आपकी ताकत मुझे संघर्ष करने के लिए प्रेरित करती है।उक्त बातें केंद्रीय मंत्री ड़ा0 महेन्द्रनाथ पांडेय ने रविवार को खजरा में आयोजित निजी विद्यालय में सैयदराजा विधानसभा बूथ सम्मेलन के दौरान कही। उन्होंने कहा कि आप सभी को अपने अपने बूथों पर मजबूती से एक एक मत करवाने का काम करना होगा।तभी आने वाले समय मे चन्दौली की तस्वीर बदलने का काम किया जाएगा। मुख्य अतिथि राज्य मंत्री गिरीशचंद्र यादव ने कहा कि अब वह समय आ गया है कि आपकी ताकत से तीसरी बार अपने विकास पुरुष को पुनः मजबूत करने का काम होने जा रहा है।विशिष्ट अतिथि स्वास्थ्य मंत्री गुजरात ऋषिकेश पटेल ने कहा कि कार्यकर्ताओ की जिम्मेदारी है कि अपने अपने बूथ को मजबूत करते हुए एक जून को अपने मतदान की ताकत दिखा दे।ताकि राष्ट्र निर्माण में आपकी महती सहभागिता हो सके। आपकी ताकत ही पार्टी को मजबूत स्तम्भ देने का काम करेगा। इसके लिए सभी को अपने अपने दायित्व का निर्वहन करना होगा।तभी एक बार फिर अपने पार्टी को मजबूत करने का काम करेंगे। इस मौके पर सैयदराजा विधायक सुशील सिंह, जिलाध्यक्ष काशीनाथ सिंह, सर्वेश कुशवाहा, ब्लॉक प्रमुख अजय सिंह, पूर्व प्रमुख देवेंद्र सिंह,पूर्व जिपंस सुशील सिंह जनौली,राजेश सिंह, हरिबंश उपाध्याय, सुजीत जायसवाल, राणाप्रताप सिंह, अन्नू सिंह, मृत्युंजय सिंह दीपु, राजेश तिवारी, रामजी तिवारी, संजय उपाध्याय, दिलीप त्रिशूलिया, जयप्रकाश उपाध्याय, गणेश अग्रहरि, संतोष बिन्द, भगवती तिवारी, अनिल सिंह, सत्यवान मौर्या, श्रीराम चौबे आदि रहे। संचालन हृदयनारायण तिवारी ने किया।

स्नान कर रही युवती का बना रहा था वीडियो विरोध करने पर मारने की धमकी

प्रखर गोरखपुर। हरपुर बुदहट थाना क्षेत्र के बरौली में रविवार को हैंडपंप पर स्नान कर रही युवती का गांव का एक युवक चुपचाप वीडियो बना रहा था। युवती की नजर पड़ने पर जब विरोध किया तो वह गाली गलौज करने के साथ मारने पीटने की धमकी देने लगा था। पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई है। मिली जानकारी से हरपुर बुदहट थाना क्षेत्र के बरौली निवासी एक 19 वर्षीय युवती रविवार को अपराह्न 3 बजे हैंडपंप पर स्नान कर रही थी। उसी दौरान गांव का एक युवक चुपचाप वीडियो बना रहा था। जिस पर युवती की नजर पड़ गई। जिसे देखकर फरार हो गया। युवती आरोपी युवक के घर पर उलाहना देने गई। तो आरोपी और उसके परिजन गाली गलौज करते हुए मारने पीटने के लिए दौड़ा लिए। युवती भागकर घर आई और आरोपियों के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई। इस संदर्भ में एसओ विशाल उपाध्याय ने कहा की शिकायत मिली है।

आर.के. इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल साइंसेज में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय नर्सिंग डे

शाहगंज(जौनपुर)।आर.के.इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल साइंसेज फैजाबाद रोड बैंकर्स कालोनी ,शाहगंज के में प्रिंसिपल डॉक्टर सत्य प्रकाश अस्थाना एवं उज्जवला मैम के मार्गदर्शन में द लैंप लाइटिंग एण्ड ओथ टेकिंग सेरेमनी का आयोजन किया गया।कार्यक्रम की शुरूआत कॉलेज की अध्यक्ष श्रीमती उषा दुबे एवं श्रीमती सुप्रिया दुबे,डॉक्टर मरिया फारुकी आदि द्वारा सरस्वती पूजन कर एवं डॉ नीतू दुबे(महिला प्रसूति रोग विशेषज्ञ) द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। कार्यक्रम में बतौर और मुख्य अतिथि डॉक्टर रफीक फारुकी अधीक्षक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहगंज एवं विशिष्ट के डॉक्टर मरिया फारुकी डायरेक्टर ऐली केयर हॉस्पिटल शाहगंज में सभी को अंतरराष्ट्रीय नर्सिंग दिवस पर बधाई देते हुए इसके महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दें।आपको बताते चलें कि मारिया फारूकी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सभी नर्सिंग की छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुआ लिए गए शपथ का पालन करने की बात कही। कार्यक्रम का संचालन जी. एन .एम .द्वितीय वर्ष की छात्रा प्रतिमा ने किया। तत्पश्चात ए.एन.एम.एवं जी.एन.एम.एवं पैरामेडिकल छात्राओं ने सरस्वती वंदना कर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम को प्रस्तुत किया।इस समारोह को सफल होने में डॉक्टर विपिन कुमार यादव अध्यापक डॉ वसीम खान अध्यापक, श्रीमती काजल पल अध्यापिका, मिस खुशबू अस्थाना लाइब्रेरियन , संदीप विश्वकर्मा क्लर्क महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर डॉक्टर सुनील दुबे जनरल सर्जन ने बताया कि नर्सिंग एक ऐसा जुनून है जो समाज सेवा भाव सिखाता है बचाने के लिए अपने जीवन को समर्पित कर देता है वही सच्चे मायने में मानवता की परिभाषा को परिभाषित करता है डॉक्टर विकास दुबे फिजिशियन ने बताया कि आधुनिक नर्सिंग की संस्थापक फ्लोरेंस नाइटेंगल की याद में 12 मई को अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस के रूप में मनाया जाता है। अंत में कॉलेज के प्रबंधक डॉक्टर जे.पी. दुबे (M.B.B.S.M.S. ORTHO, BHU) ने अपने संबोधन में संस्था के समारोह की तारीफ करते सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर उन्होंने और उन्होंने) बताया कि जनवरी 1974 में 12 मई को आधिकारिक तौर पर अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस के रूप में घोषित किया गया।

मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए नई पहल थर्ड जेंडर के माध्यम से मतदाता जागरूकता

प्रखर जौनपुर। लोकसभा चुनाव को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ के निर्देशन में लगातार मतदाता जागरुकता अभियान चल रहा है। इसी कड़ी में नई पहल करते हुए जौनपुर के लिए थर्ड जेंडर काजल किन्नर को स्वीप आईकॉन बनाया गया है। जो अपनी टीम के साथ लोगों को मतदान के लिए जागरूक कर रही हैं। मतदाताओं के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए इनके माध्यम से सभी का ध्यान आकर्षित किया गया है। चुनाव डिस्ट्रिक्ट आइकॉन बनने के बाद काजल किन्नर, चांदनी किन्नर व रानी किन्नर अपनी टीम के साथ बखूबी अपनी जिम्मेदारी निभा रही हैं। यह किन्नर टीम घर-घर पहुंचकर महिला, पुरुष, दिव्यांग सहित सभी लोगों को मतदान करने के लिये जागरूक कर रही हैं। इसके साथ ही पहली बार वोटिंग के लिए उत्साहित युवाओं को भी प्रेरित कर रही है। सोमवार को जनक कुमारी इन्टर कालेज में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें उक्त किन्नर टीम द्वारा अपने अन्दाज मे कई गीत गाकर व नृत्य करते हुए लोगों को मतदान करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। गीत के बोल- घर आजा परदेसी- तेरा वोट बुलाये रे। जागो रे जागो मतदाता। ले तो आए हो हमें सपनो के गाँव में। तुम आये तो आया मुझे याद, गली में आज चांद निकला आदि गाने गाकर सभी को वोट करने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट आइकॉन काजल किन्नर ने सभी लोगों को मतदान करने के लिये प्रोत्साहित करते हुए समझाया कि मतदान के दिन सबसे पहले वे सभी अपने बूथ पहुंचें, साथ ही एक सच्चे भारतीय नागरिक होने का फर्ज निभाते हुए वोट जरूर करें। उन्होंने कहा कि चुनाव के लिए उन्हें आइकॉन बनाया गया है, इससे वो काफी उत्साहित हैं और उन्हें बहुत अच्छा लग रहा है। इसलिए लोगों को मतदान करने के लिये जागरूक कर रही हैं, सभी लोग उनका सहयोग भी कर रहे हैं। चांदनी किन्नर ने कहा कि हम लोग शादी वाले घरो व जिनके घर बच्चे पैदा हुए हैं व अन्य घरों में जा रहे हैं शुभकामनाएं देते हैं और लोगों को मतदान के लिये जागरुक कर रहे हैं, और सभी लोगो को वोट करने के लिए भी कह रहे है। उन्होंने सभी मतदाताओं से अपील किया कि 25 मई को अपना वोट जरुर करें। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा गोरखनाथ पटेल ने उपस्थित लोगों को मतदान की शपथ दिलाई और कहा कि महिला, पुरुष, तृतीय लिंग व दिव्यांग सहित सभी मतदाता हमारे लोकतंत्र की ताकत है। मतदाता जागरूकता में आप लोगो का योगदान निश्चित रूप से हर वर्ग के मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करेगा। आभार प्रधानाचार्य डा0 जंगबहादुर सिंह ने व संचालन जिला स्वीप कोआर्डिनेटर सैय्यद मोहम्मद मुस्तफा ने किया। इस अवसर पर शिवानी किन्नर, करीना किन्नर, विपनेश श्रीवास्तव, बृजेन्द्र प्रसाद व अभिषेक, सहित शिक्षक, शिक्षिकाएं छात्र, छात्राएं आदि उपस्थित रहे।

हेपेटाइटिस के खिलाफ

लड़ाई का नेतृत्व कर रहे ड्रोन

नई दिल्ली (एसएनबी)। हेपेटाइटिस भारत में एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती है, जो लाखों लोगों को प्रभावित कर रही है और स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों पर दबाव डाल रही है। इसमें वायरस, शराब और कुछ दवाओं जैसे कारकों के कारण होने वाली यकृत की सूजन शामिल है, जिसमें ए, बी, सी, डी और ई प्रमुख दोषी है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार भारत के हेपेटाइटिस परिदृश्य में हेपेटाइटिस बी और सी का प्रभुत्व है, जो क्रमशः अनुमानित 40 मिलियन और 6 से 12 मिलियन लोगों को प्रभावित करते है, इन उपभेदों के कारण हेपेटाइटिस से संबंधित 96% मौतें होती है। लगभग 25% लोग जो बचपन में संक्रमित हो जाते है और 15% जो बचपन के बाद संक्रमित हो जाते है, सिरोसिस या यकृत कैंसर से समय से पहले मर जाते है। प्रारंभिक पहचान महत्वपूर्ण है क्योंकि अधिकांश मामले उन्नत चरण तक लक्षण रहित रहते है।

इस क्षेत्र में काम कर रही संस्था 'रेडविंग कंपनी के प्रोग्राम मैनेजर एंड लीड मेडिकल आपरेशन आशुतोष सिंह का कहना है कि हालाँकि भारत में एचसीवी का बोझ बहुत अधिक है, लेकिन उच्च जोखिम वाली आबादी के बीच उन्नत स्क्रीनिंग परीक्षणों का व्यापक रूप से उपयोग नही किया जाता है। वायरस की उपस्थिति का पता लगाने के लिए प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में केवल रैपिड डायग्नोस्टिक्स टेस्ट जैसी बुनियादी स्क्रीनिंग सेवाएं ही उपलब्ध है। वायरल लोड की पुनः पुष्टि और सटीक मूल्यांकन के लिए आवश्यक उन्नत आरटी-पीसीआर और एनएएटी आधारित परीक्षण केवल जिला अस्पताल (डीएच) जैसी उन्नत सुविधाओं में उपलब्ध है।

ड्रोन-सक्षम स्क्रीनिंग शिविर उच्च जोखिम वाली आबादी और स्कूली बच्चों को लक्षित करते हैं, हेपेटाइटिस और एचआईवी के लिए जागरूकता और निवारक उपायों को बढ़ावा देते हैं।

यही पर रोगी परीक्षण विफल हो जाता है। सकारात्मक हेपेटाइटिस का पता चलने वाले मरीजों को

बाद में उन्नत परीक्षणों के लिए जिला अस्पताल में भेजा जाता है। यात्रा, भोजन और रहने के लिए उच्च गैर-चिकित्सा आउट-ऑफ-पॉकेट व्यय (ओओपीई), और समय और आजीविका की अवसर लागत को देखते हुए, मरीज़ यात्रा स्थगित कर देते है या टाल देते है। इससे इलाज में देरी होती है और मरीज के स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ता है। इसलिए, किसी रेफरल सुविधा की राउंड-ट्रिप यात्रा में 1-3 दिन से लेकर कुछ हज़ार रुपये तक का समय लग सकता है। इतना अधिक ओओपी एक ग्रामीण परिवार को गरीबी के जाल में धकेल सकता है।

ओडिशा के कंधमाल जिले में ड्रोन की शुरूआत हेपेटाइटिस स्क्रीनिंग में एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतिनिधित्व करती है। पहले, मरीज़ उन्नत परीक्षणों के लिए डीएच जाते थे। लेकिन अब, ड्रोन हेपेटाइटिस के नमूनों को फुलबनी में माइक्रोबायोलॉजी प्रयोगशाला में ले जा रहे है। परिणाम सीधे पीएचसी या सीएचसी को भेजे जाते है जिसके बाद स्थानीय चिकित्सा अधिकारी परामर्श और उपचार करते है। इससे न केवल टाइम लूप कई गुना कम हो रहा है, बल्कि प्रति मरीज हजारों रुपये की ओओपीई और अवसर लागत की भी बचत हो रही है। ड्रोन नेटवर्क में एकीकृत प्रत्येक सीएचसी या पीएचसी दैनिक आधार पर उन्नत हेपेटाइटिस परीक्षण की पेशकश कर सकता है। मरीजों को जिला अस्पताल में रेफर करने या कई उन्नत विकेन्द्रीकृत परीक्षण इकाइयों की स्थापना के पुराने दृष्टिकोण की तुलना में यह एक अभिनव हेपेटाइटिस हस्तक्षेप है जिसके लिए अतिरिक्त परीक्षण कर्मियों, नियमित निगरानी, अभिकर्मकों की स्थिर आपूर्ति और निर्बाध बिजली की आवश्यकता होती है।

ड्रोन-सक्षम स्क्रीनिंग शिविर उच्च जोखिम वाली आबादी और स्कूली बच्चों को लक्षित करते है, हेपेटाइटिस और एचआईवी के लिए जागरूकता और निवारक उपायों को बढ़ावा देते है। ओडिशा राज्य सरकार की 5 पहल के अनुरूप, कंधमाल जिले द्वारा कार्यक्रम भागीदारों रेडविंग और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (ह्रष्टरु) के साथ स्वास्थ्य सेवा वितरण में ड्रोन का एकीकरण सार्वजनिक स्वास्थ्य पहल में प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। एक आभासी हेपेटाइटिस स्क्रीनिंग बुनियादी ढांचा। नमूना परिवहन, परीक्षण किट वितरण और दवा वितरण के लिए ड्रोन का लाभ उठाकर, कंधमाल हेपेटाइटिस नियंत्रण के लिए एक समग्र मॉडल का उदाहरण प्रस्तुत करता है।

बच्चों का बढ़ता स्क्रीन टाइम

मांओं की सबसे बड़ी चिंता

नई दिल्ली (आईएएनएस)। बच्चों के बढ़ते स्क्रीन टाइम (मोबाइल, टेलीविजन, टैब, लैपटॉप आदि देखने की अवधि) को लेकर 89 प्रतिशत भारतीय माताएं चिंतित हैं। रविवार को जारी एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। बाजार अनुसंधान कंपनी टेकआर्क द्वारा मदर्स डे पर जारी इस रिपोर्ट के लिए 600 ऐसी कामकाजी मांओं के बीच सर्वेक्षण कराया गया जिनका कम से कम एक बच्चा तीसरी से 10वीं कक्षा में पढ़ता हो। इसमें महिलाओं से डिजिटल इकोसिस्टम में उनकी चिंताओं, चुनौतियों, रुचि और पसंदों के बारे में पूछा गया था। रिपोर्ट में कहा गया है, मांओं का मानना है कि स्क्रीन टाइम बढ़ने से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है और उनके मानसिक तथा सामाजिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मांओं की सबसे बड़ी चिंताओं में निजता (81 प्रतिशत), अनुचित कंटेंट (72 प्रतिशत), टीनएज इंफ्लुएंसर (45 प्रतिशत) और डीप फेक (26 प्रतिशत) सबसे ऊपर हैं। उनका मानना है भविष्य में डीप फेक और जेन एआई अभिभावकों के लिए और बड़ी चिंता बनेगी। डिवाइसों की बात करें तो भविष्य के लिए सबसे बड़ी चिंता वीआर हेडसेट है, खासकर एप्पल विजन प्रो की लॉन्चिंग के बाद। हालांकि मांओं ने यह भी स्वीकार किया कि पांच साल पहले कि तुलना में आज डिजिटल दुनिया बच्चों के लिए ज्यादा उपयोगी और प्रासंगिक है। रिपोर्ट के अनुसार, 60 प्रतिशत से ज्यादा मां अपने बच्चों के लिए चीजें खरीदने में खर्च की गई राशि का 51-85 प्रतिशत ऑनलाइन खरीददारी पर खर्च करती हैं। वहीं, 20 प्रतिशत डिजिटल सेवी महिलाओं के मामले में यह आंकड़ा 85 प्रतिशत से भी ज्यादा है। वे अपने बच्चों के लिए सबसे ज्यादा खरीददारी अमेजन पर, खानों के ऑर्डर स्विगी पर और मनोरंजन पैकेज डिजनी हॉटस्टार पर लेती हैं।

समय से पहले मेनोपॉज से मौत का खतरा

नई दिल्ली (आईएएनएस)। जो महिलाएं 40 साल की उम्र से पहले रजोनिवृत्ति (मेनोपॉज) में प्रवेश करती हैं, उनकी कम उम्र में मृत्यु होने की आशंका अधिक होती है। एक शोध से यह बात सामने आई है। स्वीडन में एंडोक्राइनोलॉजी (हार्मोन स्राव तंत्र) की 26वीं यूरोपीय कांग्रेस में प्रस्तुत अध्ययन से इस बात का पता चला है कि सबसे आम उपचार हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी (एचआरटी) से इस जोखिम को कम किया जा सकता है। अधिकांश महिलाओं में ज्यादातर मेनोपॉज 45 से 55 वर्ष की आयु के बीच होता है। लगभग एक प्रतिशत महिलाओं को 40 वर्ष की आयु से पहले मेनोपॉज की स्थिति से गुजरना पड़ता है जिसे समय से पहले रजोनिवृत्ति या प्रीमैच्योर ओवेरियन इनसफिशिएंसी (पीओआई) के रूप में जाना जाता है। इससे हृदय रोग जैसी दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। इसके पीछे का कारण काफी हद तक अज्ञात है, लेकिन कुछ चिकित्सीय उपचारों जैसे कि कीमोथेरेपी या सर्जरी द्वारा ओवरी को हटाकर इस गंभीर स्थिति से बचा जा सकता है। फिनलैंड के ओउलू विश्वविद्यालय की टीम ने 1988 और 2017 के बीच देश में सहज या सर्जिकल प्रीमैच्योर ओवेरियन इनसफिशिएंसी से पीड़ित 5,817 महिलाओं की जांच की और उनकी तुलना बिना पीओआई वाली

हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी (एचआरटी) से इस जोखिम को कम किया जा सकता है

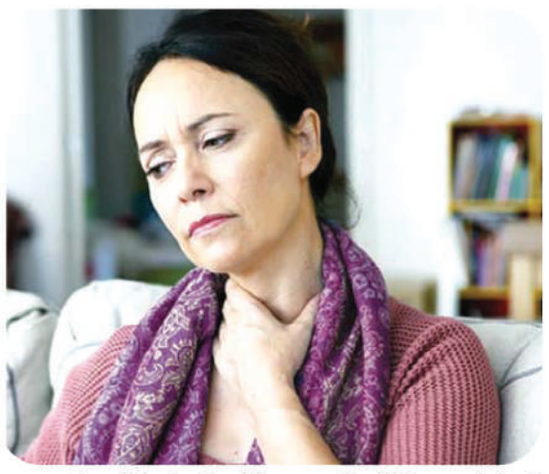

22,859 महिलाओं से की। परिणामों से पता चला कि ओवेरियन इनसफिशिएंसी से हृदय रोग या किसी अन्य कारण से मरने का जोखिम दो गुना और कैंसर से मरने का जोखिम चार गुना तक बढ़ जाता है। दूसरी ओर, छह महीने से अधिक समय तक एचआरटी दवाओं का उपयोग करने वाली महिलाओं में कैंसर के सभी कारणों और मृत्यु दर का जोखिम आधा हो गया। इसके अलावा सर्जरी के कारण जल्दी मेनोपॉज वाली महिलाओं में मृत्यु दर का कोई अतिरिक्त जोखिम नहीं पाया गया। ओउलू विश्वविद्यालय में डॉक्टरेट छात्र हिल्ला हापाकोस्की ने कहा, हमारे निष्कर्ष बताते हैं कि अतिरिक्त मृत्यु दर को कम करने के लिए समय से पहले ओवेरियन इनसफिशिएंसी वाली महिलाओं के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

प्रियंका ने की भंसाली की हीरामंडी की तारीफ

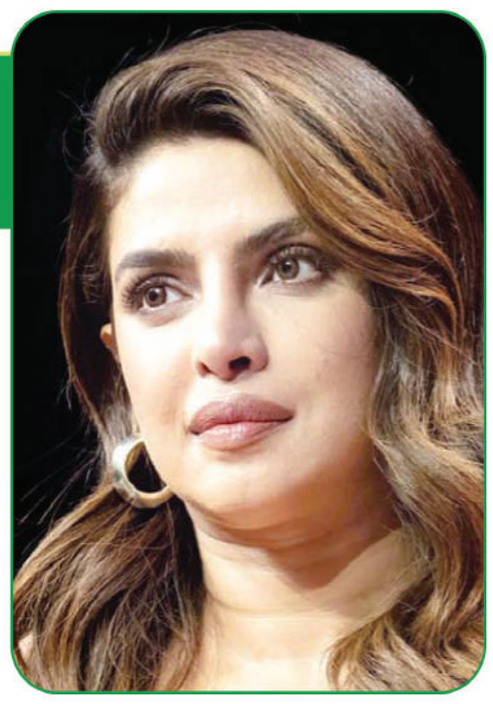

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने संजय लीला भंसाली की वेबसीरीज हीरामंडीः द डायमंड बाजार की तारीफ की है। संजय लीला भंसाली की वेबसीरीज हीरामंडीः द डायमंड बाजार में मनीषा कोइराला, सोनाक्षी सिन्हा, अदिति राव हैदरी, शर्मिन सहगल, ऋचा चड्ढा ,संजीदा शेख, फरदीन खान और शेखर सुमम जैसे कलाकार शामिल हैं। हीरामंडीः द डायमंड बाजार हाल ही में ओटीटी प्लेटफार्म पर रिलीज हुई है। प्रियंका चोपड़ा ने भी हीरामंडीः द डायमंड बाजार की तारीफ की है। प्रियंका चोपड़ा ने अपना रिव्यू शेयर किया है। प्रियंका ने उस पल को याद किया है, जब भंसाली इसे बनाने के लिए बहुत बेताब थे। हीरामंडी का पोस्टर शेयर करते हुए प्रियंका ने कैप्शन में लिखा, मुझे याद है कि आप इसे बनाने के लिए कितने बेताब थे। प्रियंका ने सभी स्टार कास्ट को टैग करते हुए भंसाली को बधाई दी है। प्रियंका चोपड़ा ने संजय लीला भंसाली के साथ हिस्टॉरिकल ड्रामा 'बाजीराव मस्तानी' में काम किया है। काशीबाई के रूप में प्रियंका को खूब तारीफें भी मिली थीं।

विक्की कौशल ने छावा की शूटिंग पूरी की

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता विक्की कौशल ने अपनी आने वाली फिल्म छावा की शूटिंग पूरी कर ली है। विक्की कौशल इन दिनों फिल्म 'छावा' को लेकर चर्चा में है। 'छावा' का रैपअप हो गया है, जिसकी जानकारी विक्की कौशल ने सोशल मीडिया पर दी है। विक्की ने इंस्टाग्राम पर एक क्लिप शेयर किया है, जिसमें झमाझम बारिश होती दिखाई दे रही है। बारिश वाले क्लिप के साथ विक्की कौशल ने एक इमोशनल पोस्ट भी लिखा है। वीडियो के साथ कैप्शन में विक्की ने लिखा, छावा की शूटिंग अविश्वसनीय रूप से भावुक और ड्रामेटिक जर्नी बिना कुछ ड्रामा के खत्म नहीं हो सकती थी। मैं इस जर्नी के बारे में बहुत कुछ कहना चाहता हूं, मैं अभी बहुत कम बता पा रहा हूं...हो सकता है कि कुछ दिनो में जब सब कुछ समझ आ जाए। अब मैं बस इतना ही कह सकता हूं कि मेरा दिल कृतज्ञता, प्यार और संतुष्टि से भरा है...इट्स ए रैप!!!'

तारा सुतारिया ने मां की पुरानी तस्वीर शेयर की

मुंबई (आईएएनएस)। देशभर में रविवार को मदर्स डे सेलिब्रेट किया गया। इस मौके पर बॉलीवुड एक्ट्रेस तारा सुतारिया ने अपनी मां की 70 के दशक की तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए खास मैसेज लिखा। तारा सुतारिया ने इंस्टाग्राम पर एक कोलाज शेयर किया, जिसमें उनकी मां की एक पुरानी तस्वीर दिखी, उन्होंने रेड आउटफिट और मैचिंग इयररिंग्स पहने हैं। एक्ट्रेस ने भी अपनी मां की तरह मैचिंग आउटफिट, ईयररिंग्स पहने और वैसा ही मेकअप किया। एक्ट्रेस ने फोटोज के साथ दिल छू लेने वाला पोस्ट भी लिखा। तारा सुतारिया ने लिखा, मदर्स डे के लिए 70 के दशक की मेरी मां की एक तस्वीर रिक्रिएट की गई! मूल बाली (इयररिंग्स) जैसा ही लुक देने के लिए मेरी बाली मैंने अपने हाथों से बनाई है। मैं अपनी टीम बॉबी ब्राउन इंडिया के बिना यह नहीं कर सकती थी! हर प्रोडक्ट उस शेड से मैच करता है जो वह यूज करती थी। हैप्पी मदर्स डे।

घर की मालकिन में दिखेगी अंजना सिंह और शुभी शर्मा की जोड़ी

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री अंजना सिंह और शुभी शर्मा की जोड़ी फिल्म घर की मालकिन में नजर आएगी। फ़िल्म घर की मालकिन को बी4यू मोशन पिक्चर्स प्रस्तुत निलाभ तिवारी फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा बनाया जा रहा है। इस फिल्म को लेकर अंजना सिंह ने कहा कि फिल्म महिला प्रधान है और इसमें मेरी भूमिका बेहद दमदार है। घर की मालकिन के निर्माता संदीप सिंह, अंजनी तिवारी और निलाभ तिवारी है। निर्देशक राजकिशोर जी है। कथा-पटकथा-संवाद -अरबिंद तिवारी के है। कला अंजनी तिवारी ,छायांकन विजय मंडल /डीके शर्मा , नृत्य कानू मुख़र्जी, सोनू प्रीतम का है। संगीतकार साजन मिश्रा और गीतकार प्यारेलाल यादव, अरबिंद तिवारी है।

भोजपुरी की अच्छी फिल्मों में शामिल दिलदार सांवरिया 2 : यश कुमार

मुंबई (वार्ता)। भोजपुरी अभिनेता यश कुमार का कहना है कि उनकी आने वाली फिल्म दिलदार सांवरिया 2,भोजपुरी सिनेमा की सबसे खूबसूरत फिल्मों में से एक होगी। यश कुमार इन दिनो अपनी 100वीं फिल्म दिलदार सांवरिया 2 को लेकर चर्चा में है। इस फिल्म की शूटिंग अभी हाल ही संपन्न हुई है। फिल्म दिलदार सांवरिया 2 का निर्माण तन्वी मल्टीमीडिया के बैनर से किया गया है। फिल्म के प्रोड्यूसर दीपक शाह है। इस फिल्म में यश कुमार के साथ सपना चौहान की केमिस्ट्री नजर आयेगी। अभी हमने फिल्म की शूटिंग पूरी की है, जल्द ही इसके पोस्ट प्रोडक्शन का काम शुरू हो जाएगा। यश कुमार ने बताया कि फिल्म दिलदार सांवरिया 2 प्योर रोमांटिक फिल्म है। जल्द ही फिल्म के ट्रेलर और फिर फिल्म के रिलीज की तारीख का ऐलान किया जाएगा। फिल्म दिलदार सांवरिया 2 के लेखक एसके चौहान है।

खबर संक्षेप

एलआईसी का प्रीमियम संग्रह दशक में सर्वाधिक

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की एलआईसी का अप्रैल में प्रीमियम संग्रह 12,384 करोड़ रुपये रहा जो पिछले 10 वर्षों का सर्वाधिक मासिक संग्रह है। जीवन बीमा परिषद के नवीनतम आंकड़ों का हवाला देते हुए एलआईसी ने कहा कि अप्रैल, 2024 में उसने कुल 12,383.64 करोड़ रुपये का प्रीमियम संकलित किया।

बीते सप्ताह सुधरी सभी तेल की कीमतें

नई दिल्ली। बीते सप्ताह विदेशों में सोयाबीन डीगम तेल के दाम में लगभग 70-80 डॉलर टन की तेजी आने के बाद बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में लगभग सभी खाद्य तेलों के दाम में सुधार देखने को मिला। इसके चलते सरसों, मूंगफली, सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल के दाम मजबूती दर्शाते बंद हुए।

वेदांता ने किया एवनस्ट्रेट का पूर्ण अधिग्रहण

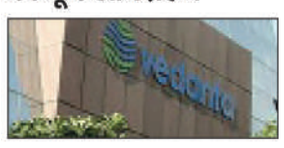

नई दिल्ली। खनन क्षेत्र के दिग्गज अनिल अग्रवाल की अगुवाई वाली वेदांता लिमिटेड ने जापानी ग्लास सबस्ट्रेट विनिर्माता कंपनी एवनस्ट्रेट इंक में अतिरिक्त 46.57 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल कर ली है। एवनस्ट्रेट में वेदांता की कुल हिस्सेदारी बढ़कर 98.2 प्रतिशत हो गई है। यह लेनदेन चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही तक पूरा होने की संभावना है।

एचडीएफसी बैंक को हुआ पूंजीकरण में नुकसान

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 1,73,097.59 करोड़ रुपये की गिरावट आई। सबसे अधिक नुकसान एचडीएफसी बैंक और एलआईसी को हुआ। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,213.68 अंक या 1.64 प्रतिशत के नुकसान में रहा।

पंजाब एंड सिंध बैंक का लाभ 70 प्रतिशत घटा

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब एंड सिंध बैंक का शुद्ध लाभ जनवरी-मार्च तिमाही में 70 प्रतिशत घटकर 139 करोड़ रुपये रह गया। फंसे कर्जों की वजह से बैंक के लाभ में कमी आई है। बैंक ने शेयर बाजार को जनवरी-मार्च, 2024 तिमाही के नतीजों की सूचना दी। एक साल पहले की समान तिमाही में बैंक ने 457 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था।

सिप्ला का लाभ चौथी तिमाही में 78% बढ़ा

नई दिल्ली। प्रमुख दवा कंपनी सिप्ला लिमिटेड ने कहा बिक्री में तेजी रहने से मार्च तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 78.7 प्रतिशत बढ़कर 931.87 करोड़ रुपये हो गया। एक साल पहले की अवधि में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 521.51 करोड़ रुपये रहा था। समीक्षाधीन तिमाही में एकीकृत परिचालन आय 6,163.24 करोड़ रुपये रही, जो एक साल पहले की समान अवधि में 5,739.3 करोड़ रुपये थी। 2023-24 की चौथी तिमाही में सिप्ला का कुल खर्च 5,153.31 करोड़ रुपये रहा जबकि वित्त वर्ष 2022-23 में यह 4,946.14 करोड़ रुपये था।

देश का सबसे बड़ा सरकारी बैंक एसबीआई देगा 12 हजार को नौकरी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश का सबसे बड़ा सरकारी बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया इस समय बैंक में कर्मचारियों को रखने की प्रक्रिया में है। अपने तिमाही नतीजों के एलान के समय एसबीआई चेयरमैन दिनेश खारा ने यह जानकारी दी थी।

- आईटी सहित विभिन्न भूमिकाओं के लिए दी जाएगी ट्रेनिंग

बैंक के चेयरमैन के मुताबिक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) 12 हजार कर्मचारियों की भर्ती करने वाली है जिन्हें आईटी सहित विभिन्न भूमिकाओं के लिए ट्रेनिंग दी जाएगी और बैंक में अलग-अलग विभागों में भेजा जाएगा।

बैंक के चेयरमैन ने तिमाही नतीजे के समय दी जानकारी

बैंक में कर्मचारियों की मौजूदा संख्या

वित्त वर्ष 2023-24 के खत्म होने तक देश के सबसे बड़े बैंक में 2,32,296 कर्मचारी थे जो वित्त वर्ष 2022-23 के 2,35,858 कर्मचारियों की तुलना में कम हैं। लिहाजा बैंक को नए कर्मचारियों की जरूरत है और इसके लिए भर्ती की जा रही है। दिनेश खारा ने बैंक के वित्तीय परिणामों का ऐलान करते समय ये बताया था कि वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में बैंक का शुद्ध लाभ 24 फीसदी बढ़कर 20,698 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है।

एसबीआई ने दिया है तगड़ा डिविडेंड

बैंक ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए प्रत्येक इक्विटी शेयर पर 13.70 रुपए के डिविडेंड का भी ऐलान किया है। 31 मार्च 2024 को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का शुद्ध एनपीए एक साल पहले के 0.67 फीसदी से घटकर 0.57 फीसदी पर आ चुका है। इसके अलावा चौथी तिमाही में बैंक का राजस्व एक साल पहले के 1.06 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 1.28 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया है।

जानिए बैंक का क्या है हायरिंग प्लान

एसबीआई में करीब 11-12 हजार कर्मचारियों को रखने की प्रक्रिया चल रही है नए भर्ती किए गए लोगों को बैंकिंग की समझ विकसित करने के लिए अवसर दिया जाएगा। इसके बाद बैंक उन्हें एसोसिएट की विभिन्न भूमिकाओं में नियुक्त करेगा।

कुछ कर्मचारियों को आईटी में रखा जाएगा

नए भर्ती किए गए कुछ लोगों से कुछ को आईटी में भी रखा जाएगा। ये आम कर्मचारी होंगे लेकिन एसबीआई के पास ऐसा सिस्टम है जिसमें एसोसिएट लेवल और अधिकारी स्तर में करीब 85 फीसदी इंजीनियर होते हैं।

बीते वित्त वर्ष 2023-24 के लिए बंफर मुनाफा दर्ज

आईओसी, बीपीसीएल और एचपीसीएल ने कमाया 81,000 करोड़ रुपए का रिकॉर्ड मुनाफा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की तीनों पेट्रोलियम कंपनियों...इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लि. (एचपीसीएल), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. (एचपीसीएल) ने बीते वित्त वर्ष 2023-24 में लगभग 81,000 करोड़ रुपये का बंपर मुनाफा दर्ज किया है।

तेल-संकट के पूर्व के वर्षों की उनकी सालाना कमाई से कहीं अधिक है। अप्रैल, 2023 से मार्च, 2024 के दौरान आईओसी, बीपीसीएल और एचपीसीएल का सामूहिक रूप से एकल शुद्ध लाभ तेल संकट से पहले के वर्षों में उनकी 39,356 करोड़ रुपये की वार्षिक कमाई से बेहतर रहा है।

कंपनियों ने शेयर बाजार को दी जानकारी

इन कंपनियों ने शेयर बाजारों को यह जानकारी दी है। तीनों कंपनियों ने 2023-24 में एकल और एकीकृत आधार पर अपना सबसे ऊंचा मुनाफा कमाया है।शेयर बाजारों को दी गई जानकारी के अनुसार, आईओसी ने 2023-24 में 39,618.84 करोड़ रुपये का एकल शुद्ध लाभ कमाया है।

पहले की तुलना में मुनाफा बेहतर रहा

आईओसी ने इसकी तुलना में 2022-23 में उसका एकल शुद्ध लाभ 8,241.82 करोड़ रुपये रहा था। हालांकि, कंपनी यह दलील दे सकती है कि 2022-23 का उसका नतीजा तेल संकट से प्रभावित हुआ था। लेकिन संकट से पहले के वर्षों से तुलना की जाए, तो भी कंपनी का मुनाफा बेहतर रहा है।

ऊर्जा बदलाव के लिए 15 हजार करोड़ दिए गए

वित्त वर्ष 2022-23 में हुए नुकसान की वजह से वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2023-24 के बजट में आईओसी, बीपीसीएल और एचपीसीएल को उनकी ऊर्जा बदलाव योजना के लिए 30,000 करोड़ रुपये का समर्थन देने की घोषणा की थी। बाद में इस राशि को घटाकर आधा यानी 15,000 करोड़ रुपये कर दिया गया था।

- यह तेल-संकट के पूर्व के वर्षों की कमाई से कहीं अधिक
- तीनों कंपनियों ने एकल और एकीकृत आधार पर ऊंचा मुनाफा कमाया
- आईओसी ने 39,618.84 करोड़ रुपए का एकल लाभ कमाया

बीपीसीएल ने 26673 करोड़ का लाभ कमाया

2021-22 में आईओसी का शुद्ध लाभ 24,184 करोड़ रुपये और 2020-21 में 21,836 करोड़ रुपये रहा था। बीपीसीएल ने वित्त वर्ष 2023-24 में 26,673.50 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है जो 2022-23 के 1,870.10 करोड़ रुपये के आंकड़े से कहीं अधिक है।

देश का 90 फीसदी बाजार तीनों कंपनियां नियंत्रित करती है

यह समर्थन इक्विटी निवेश या राइट्स इश्यू के जरिये दिया जाना था। हालांकि, अभी तक यह समर्थन दिया नहीं गया है। भारत के लगभग 90 प्रतिशत ईंधन बाजार को नियंत्रित करने वाली तीन कंपनियों ने 'स्वेच्छा से' पिछले दो वर्षों से पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस (एलपीजी) की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया।

वर्ष 2022-23 में हुआ था तीनों कंपनियों को घाटा

कीमतों में बदलाव नहीं करने के चलते उत्पादन लागत अधिक होने की वजह से उन्हें नुकसान उठाना पड़ा। तीनों पेट्रोलियम कंपनियों को अप्रैल-सितंबर, 2022 के दौरान सामूहिक रूप से 21,201.18 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था।

मारुति का सीएनजी कारों की बिक्री बढ़ाने का लक्ष्य

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) को उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष में उसकी सीएनजी कारों की बिक्री 30 प्रतिशत से अधिक बढ़कर लगभग छह लाख इकाई पर पहुंच जाएगी। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता कंपनी ने चालू वित्त वर्ष में लगभग तीन लाख इकाई निर्यात करने का लक्ष्य भी तय किया है। मारुति सुजुकी इंडिया के कॉरपोरेट मामलों के कार्यकारी निदेशक राहुल भारती ने एक विश्लेषक वार्ता में कहा, सीएनजी में इस साल हमने यात्री वाहनों की लगभग 4.5 लाख इकाइयां बनाईं। हमें उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2024-25 में यह आंकड़ा छह लाख वाहनों का होगा।कंपनी घरेलू बाजार में वैगनआर, ब्रेजा, डिजायर और अर्टिगा जैसे विभिन्न मॉडलों के सीएनजी संस्करण बेचती है। भारती ने कहा कि कंपनी के हरियाणा स्थित मानेसर संयंत्र में सालाना लगभग एक लाख इकाई के क्षमता विस्तार से काफी हद तक अर्टिगा की आपूर्ति बढ़ाने में मदद मिलेगी।

- सन 2024-25 में बिक्री 30 फीसदी बढ़ाकर छह लाख पहुंचाएगी

अर्टिगा सीएनजी की मांग बहुत अधिक

भारती ने कहा कि बाजार में अर्टिगा सीएनजी की मांग बहुत अधिक है, जिससे आपूर्ति संबंधी समस्याएं पैदा हो रही हैं। निर्यात के बारे में भारती ने कहा कि कंपनी का लक्ष्य लगभग तीन लाख इकाइयों का निर्यात करने का है।

मुद्रास्फीति व तिमाही नतीजों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

शेयर बाजारों की दिशा इस सप्ताह घरेलू मुद्रास्फीति के आंकड़ों, कंपनियों के तिमाही नतीजों तथा वैश्विक रुख से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि आम चुनाव से जुड़ी खबरों पर भी निवेशकों की नजर रहेगी।

इसके अलावा विदेशी निवेशकों की गतिविधियां, वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल के दाम और डॉलर के मुकाबले रुपये का उतार-चढ़ाव भी बाजार की दिशा तय करेगा। स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लि. के शोध प्रमुख संतोष मीणा ने कहा, घरेलू और वैश्विक दोनों मोर्चों पर काफी आर्थिक आंकड़े आने हैं।

घरेलू मोर्चे पर उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के साथ थोक महंगाई दर के आंकड़े जारी किए जाएंगे। वैश्विक स्तर पर सभी का ध्यान अमेरिका के उत्पादक मूल्य सूचकांक (पीपीआई) और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आंकड़ों पर होगा।'' मीणा ने कहा कि इसके अलावा फेडरल रिजर्व के प्रमुख जेरोम पावेल के संबोधन पर भी सभी की निगाह रहेगी।

इस सप्ताह चीन के औद्योगिक उत्पादन और जापान के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के आंकड़े भी आने हैं।

- आम चुनाव से जुड़े खबरों पर भी होगी निवेशकों की नजर
- कच्चे तेल के दाम और डॉलर के मुकाबले रुपए में रहेगी नजर

जापान और फेड के आंकड़ों पर होगी निगाह

भारत के खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़ों के अलावा अमेरिका के उत्पादक मूल्य सूचकांक के आंकड़ों, जापान के जीडीपी आंकड़ों तथा फेडरल रिजर्व प्रमुख के वक्तव्य पर सभी की निगाह रहेगी। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के खुदरा शोध प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा, 'कुल मिलाकर हमारा अनुमान है कि बाजार की दिशा कंपनियों के चौथी तिमाही नतीजों के अलावा वैश्विक कारकों तथा चुनाव से जुड़ी खबरों से तय होगी।'

एस्कॉर्ट्स कुबोटा नए संयंत्र पर करेगी 4500 करोड़ निवेश

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कृषि और निर्माण उपकरण विनिर्माता एस्कॉर्ट्स कुबोटा लिमिटेड ने अगले तीन से चार साल में नए संयंत्र में 4,500 करोड़ रुपये तक का निवेश करने की योजना बनाई है।

कंपनी के पूर्णकालिक निदेशक और मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) भरत मदान ने बताया कि नया विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने के लिए यह निवेश किया जाएगा। कंपनी इस समय घिलोठ में एक जगह के लिए राजस्थान सरकार के साथ बातचीत कर रही है। यहां वह अपनी घरेलू ट्रैक्टर उत्पादन क्षमता को सालाना 3.4 लाख इकाई तक दोगुना करने के लिए एक अत्याधुनिक संयंत्र स्थापित करने की संभावनाएं तलाश रही है। एस्कॉर्ट्स कुबोटा साथ ही चरणों में नए इंजन और निर्माण उपकरण के लिए विनिर्माण श्रृंखला भी स्थापित करेगी। मदान ने बताया, 'अत्याधुनिक संयंत्र में ट्रैक्टर उत्पादन क्षमता को दोगुना करना, एक नई इंजन श्रृंखला और चरणों में एक निर्माण उपकरण श्रृंखला की स्थापना शामिल है। कुल मिलाकर इसमें अगले 3-4 वर्षों में 4,000 करोड़ रुपये से 4,500 करोड़ रुपये तक निवेश हो सकता है।'

- कंपनी की राजस्थान के घिलोठ में संयंत्र के लिए बात चल रही

वित्त वर्ष के अंत तक शुरू होगा निर्माण

मदान ने आगे कहा कि इस साल जमीन खरीदने की उम्मीद है, जिसकी लागत 450 करोड़ रुपये तक हो सकती है। चालू वित्त वर्ष के अंत तक निर्माण शुरू हो जाएगा।

शीर्ष बिल्डर बनने की दौड़ में मैक्रोटेक शामिल नहीं

नई दिल्ली। रियल्टी कंपनी मैक्रोटेक डेवलपर्स बिक्री बुकिंग के मामले में शीर्ष बिल्डर बनने की 'चूहा दौड़' में शामिल नहीं है। कंपनी के प्रबंध निदेशक और सीईओ अभिषेक लोढ़ा ने यह बात कही है। उन्होंने बताया कि कंपनी उच्च लाभ मार्जिन के साथ लगातार लक्षित वृद्धि हासिल करने पर ध्यान देगी। मैक्रोटेक डेवलपर्स की बिक्री बुकिंग 2024-25 में सालाना आधार पर 20 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 14,520 करोड़ रुपये हो गई, जो 2022-23 12,060 करोड़ रुपये थी। कंपनी लोढ़ा ब्रांड के तहत अपनी संपत्तियों को बेचती है।

गोल्ड ईटीएफ से निवेशकों ने अप्रैल में निकाले 396 करोड़

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) से पिछले महीने यानी अप्रैल में 396 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी देखने को मिली है। निवेशकों के मुनाफा काटने की वजह से यह निकासी हुई है। इससे पहले मार्च, 2023 में निवेशकों ने गोल्ड ईटीएफ से निकासी की थी।

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के अनुसार, इस निकासी के बावजूद अप्रैल के अंत में स्वर्ण कोषों के प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियां (एयूएम) पांच प्रतिशत बढ़कर 32,789 करोड़ रुपये हो गईं, जो पिछले महीने में 31,224 करोड़ रुपये पर थीं। आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल में गोल्ड ईटीएफ से 396 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी हुई, जबकि पिछले महीने में इसमें 373 करोड़ रुपये का प्रवाह हुआ था। आखिरी बार इस परिसंपत्ति वर्ग से शुद्ध निकासी मार्च, 2023 में हुई थी। उस समय गोल्ड ईटीएफ से 266 करोड़ रुपये निकाले गए थे।

सोने ने पिछले वर्ष अच्छा प्रदर्शन किया : रिसर्च इंडिया के विश्लेषक मेल्विन सैंटारिटा ने कहा, 'भारतीय रुपये के संदर्भ में सोने ने पिछले वर्ष काफी अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन शेयरों से तुलना की जाए, यह काफी कम है।

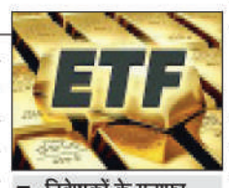

- निवेशकों के मुनाफा काटने की वजह से हुई यह निकासी

कल्याण ज्वैलर्स के शुद्ध लाभ में 97 फीसदी का इजाफा

मुंबई। आभूषण विक्रेता फर्म कल्याण ज्वैलर्स ने कहा कि मार्च 2024 तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 97 प्रतिशत बढ़कर 137.49 करोड़ रुपये हो गया। कल्याण ज्वैलर्स ने शेयर बाजार को इस तिमाही नतीजे की सूचना दी। एक साल पहले की समान अवधि में उसका शुद्ध लाभ 69.79 करोड़ रुपये था। समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी की परिचालन आय 34 प्रतिशत बढ़कर 4,534.93 करोड़ रुपये हो गयी जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही में 3,381.80 करोड़ रुपये थी। कंपनी के निदेशक मंडल ने 31 मार्च, 2024 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए 1.2 रुपये प्रति इक्विटी शेयर का अंतिम लाभांश देने की सिफारिश की है, जो शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन है।

तीसरे स्थान पर धकेला, पहले सैमसंग पहले स्थान पर रहा

वीवो बना भारत का नंबर-1 स्मार्टफोन ब्रांड, सैमसंग से छिनी बादशाहत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत के स्मार्टफोन बाजार में वीवो ने एक बड़ा उलटफेर कर दिया है। दरअसल वीवो ने सैमसंग को पीछे छोड़ते हुए भारत के नंबर -1 स्मार्टफोन ब्रांड का खिताब अपने नाम कर लिया है। दरअसल साल 2024 के पहली तिमाही (जनवरी से मार्च 2024) वीवो के लिए बेहद शानदार रही है।

- मार्केट रिसर्च फर्म काउंटरप्वाइंट जारी की रिपोर्ट

इस दौरान वीवो भारत का सबसे बड़ा स्मार्टफोन ब्रांड बनकर उभरा है। इस चाइनीज स्मार्टफोन ब्रांड ने साउथ कोरियाई स्मार्टफोन ब्रांड सैमसंग को पहले से तीसरे स्थान पर धकेल दिया है। और पहले स्थान पर काबिज हो गया।

रियलमी ने हासिल को जोरदार ग्रोथ

अगर अन्य स्मार्टफोन ब्रांड की बात करें, तो ओप्पो 10.1 फीसद वॉल्यूम शेयर के साथ चौथे पायदान पर है, जो पिछले साल के मुकाबले 12 फीसद कम है। रियलमी 9.9 फीसद के साथ पांचवे पायदान पर है। लेकिन रियलमी के लिए अच्छा है, क्योंकि उसने पिछले साल इसी दौरान के मुकाबले में 18 फीसद की ग्रोथ दर्ज की है।

नथिंग की ग्रोथ रेट रही 155 फीसदी

हालांकि सैमसंग वॉल्यूम शेयर के मामले में लीडरशिप पोजिशन में है। ऐपल ने भी वॉल्यूम भारत में रिकॉर्ड सेल हासिल की है। आईफोन का वॉल्यूम मार्केट शेयर 19 फीसद है, जो पिछले साल इसी दौरान मुकाबले में 22 फीसद कम है। नथिंग भारत का सबसे तेज 144 फीसदी के साथ बढ़ने वाला स्मार्टफोन ब्रांड है। मोटोरोला के शिपमेंट में 58 फीसद की ग्रोथ दर्ज की गई है। जनवरी मार्च के दौरान भारत के स्मार्टफोन का शिपमेंट करीब 8 फीसद रहा है।

वीवो ने बनाया नया रिकॉर्ड

मार्केट रिसर्च फर्म काउंटरप्वाइंट रिपोर्ट की मानें, तो अगर 5जी स्मार्टफोन की बात करें, तो इस लिस्ट में वीवो सबसे आगे है। वीवो का भारत में स्मार्टफोन मार्केट शेयर करीब 19 फीसद है, जो सबसे ज्यादा है। इसके बाद एक अन्य चाइनीज स्मार्टफोन ब्रांड शाओमी का नंबर आता है। शाओमी 18.8 फीसद के साथ भारत का दूसरा सबसे बड़ा स्मार्टफोन ब्रांड है। इसके बाद सैमसंग 17.5 फीसद के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गया है।

टॉप 5 स्मार्ट फोन ब्रांड मार्केट शेयर

- वीवो - 19 फीसदी
- शाओमी - 18.8 फीसदी
- सैमसंग - 17.5 फीसदी
- ओप्पो - 10.1 फीसदी
- रियलमी - 9.9 फीसदी

सामान्य बीमा कंपनियों का प्रीमियम संग्रह 13% बढ़ा

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2023-24 में कम-से-कम 42 सामान्य बीमा कंपनियों ने 2,89,738 करोड़ रुपये की प्रीमियम आय अर्जित की जो एक साल पहले की तुलना में लगभग 13 प्रतिशत अधिक है।

सामान्य बीमा परिषद की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक, गैर-जीवन बीमा उद्योग ने वित्त वर्ष 2022-23 में 2,56,894 करोड़ रुपये का प्रीमियम एकत्र किया था। इसमें से 35 सामान्य बीमा कंपनियों ने एक साल पहले के 2,14,833 करोड़ रुपये की तुलना में प्रीमियम में 14 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की जो 2,45,433 करोड़ रुपये रहा।

आईपीएल : सिमरनजीत सिंह ने राजस्थान का टॉप ऑर्डर किया ध्वस्त, रॉयल्स की लगातार तीसरी हार

राजस्थान को पांच विकेट से हराकर प्लेऑफ की दौड़ में बरकरार चेन्नई

नई दिल्ली ■ एजेंसी

चेन्नई सुपर किंग्स ने राजस्थान रॉयल्स को पांच विकेट से हराया चेन्नई 12 मई (वार्ता) कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ नाबाद (42) रनों की धैर्यपूर्ण पारी और सिमरजीत सिंह और तुषार देशपांड की शानदार गेंदबाजी की बदौलत चेन्नई सुपर किंग्स ने रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 61वें मैच में राजस्थान रॉयल्स को पांच विकेट से हरा दिया है। यह राजस्थान की लगातार तीसरी हार है। इसी के साथ ही चेन्नई की टीम अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। 142 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से रचिन रविंद्र 27 रन बनाकर आउट हुए। आठवें ओवर में यजुवेंद्र चहल ने डैरिल मिचेल 22 रन को पगबाधा कर आउट किया। ऋतुराज गायकवाड़ कप्तानी पारी खेलते हुए 41 गेंदों में एक चौका और दो छक्के लगाते हुए नाबाद (42) रन बनाये। चेन्नई ने 18.2 ओवर में पांच विकेट पर 145 रन बनाकर पांच विकेट से मुकाबला जीत लिया।

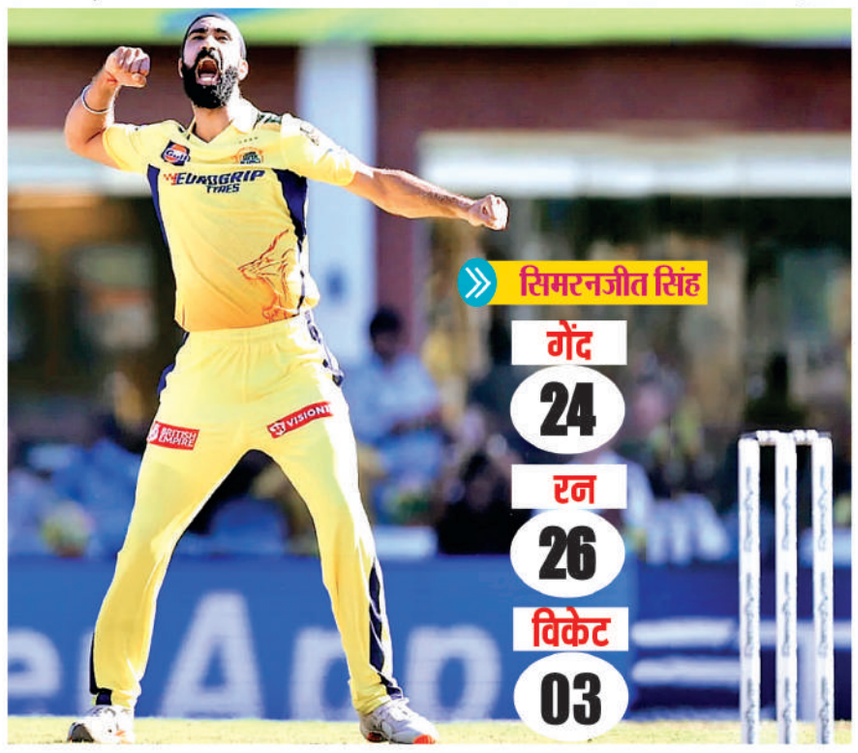

स्कोर बोर्ड

राजस्थान रॉयल्स	रन	गेंद	4/6
यशस्वी कै. ऋतुराज बो. सिमरजीत सिंह	24	21	3/1
बटलर कै. तुषार बो. सिमरजीत सिंह	21	25	2/0
सैमसन कै. ऋतुराज बो. सिमरजीत सिंह	15	19	0/0
रियान पराग नाबाद	47	35	1/3
जुरेल कै. शार्दूल बो. तुषार देशपांडे	28	18	1/2
शुभम दुबे कै. शिवम बो. तुषार	00	01	0/0
रविचंद्रन अश्विन नाबाद	01	01	0/0

अतिरिक्त: 05, कुल: 20 ओवर में पांच विकेट पर 141 रन, **विकेट पतन:** 1-43, 2-49, 3-91, 4-131, 5-131, **गेंदबाजी:** तुषार देशपांडे 4-0-30-2, महीश थीक्षाना 4-0-28-0, शार्दूल ठाकुर 4-0-32-0, सिमरजीत सिंह 4-0-26-3, रवींद्र जडेजा 4-0-24-0,

चेन्नई सुपर किंग्स	रन	गेंद	4/6
रचीन रवींद्र कै.एंडबो. रविचंद्रन अश्विन	27	18	1/2
ऋतुराज गायकवाड़ नाबाद	42	41	1/2
डैरेल मिचेल पगबाधा बो. युजवेंद्र चहल	22	13	4/0
मोईन अली कै. आवेश बो. नंद्रे बर्गर	10	13	0/0
शिवम दुबे कै. पराग बो. रविचंद्रन	18	11	2/1
जडेजा क्षेत्ररक्षण में रुकावट आउट	05	06	0/0
समीर रिजवी नाबाद	15	08	3/0

अतिरिक्त: 06, कुल: 18.2 ओवर में पांच विकेट पर 145 रन, **विकेट पतन:** 1-32, 2-67, 3-86, 4-107, 5-121, **गेंदबाजी:** ट्रेंट बोल्ट 2.2-0-24-0, संदीप शर्मा 3-0-30-0, रविचंद्रन अश्विन 4-0-35-2, नंद्रे बर्गर 3-0-21-1, युजवेंद्र चहल 4-0-22-1, आवेश खान 2-0-12-0,

सीएसके के प्लेयर सम्मानित, चेपॉक में जीते 50 मैच

चेपॉक के मैदान चेन्नई के होम ग्राउंड एम चिदंबरम स्टेडियम में यह सीएसके की 50वीं जीत थी। चेन्नई ने जब मुकाबला जीता तो चेन्नई मैनेजमेंट ने अनाउंसमेंट करवाकर दर्शकों को स्टेडियम में ही रोक लिया। उन्हें कहा गया कि कुछ स्पेशल होने वाला है। चेन्नई के खिलाड़ी इकट्ठे मैदान पर आए तो मैनेजमेंट की ओर से सभी खिलाड़ियों को मेडल पहनाया गया। इसके बाद महेंद्र सिंह धोनी ने मैदान का चक्कर लगाया और फैंस को टीशर्ट और टेनिस बॉल दीं। धोनी रैकेट से गेंद को फेंक रहे थे।

रविंद्र जडेजा ने रोका गेंद का रास्ता, अंपायर ने दिया नियम के तहत आउट

सीएसके की बल्लेबाजी के दौरान पारी के 16वें ओवर में रविंद्र जडेजा को ऑब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड यानी फील्डिंग में बाधा पहुंचाने के लिए आउट करार दिए गए। रविंद्र जडेजा अंपायर के इस फैसले से बिल्कुल भी नहीं थे और वापस जाते समय वह बुरी तरह से झल्ला गए। दरअसल आवेश खान के खिलाफ रविंद्र जडेजा ने ऑफसाइड में हल्के हाथ से एक शॉट खेला। जडेजा ने दूसरे रन के लिए तेजी से मुड़े और हाफ पिच तक पहुंच गए। तब तक गेंद संजू सैमसन के पास आ चुकी थी और उन्होंने नॉन स्ट्राइक एंड पर निशाना साधते हुए थ्रो कर दिया। संजू का थ्रो उनके हाथ से जा लगा। ऐसे में मैदानी अंपायर ने इस मामले को थर्ड अंपायर के पास भेजा और जडेजा को आउट करार दिया गया।

चोट के कारण पहला सीजन नहीं खेल पाए सिमरजीत को चेन्नई ने दिया मौका

आरआर को रोकने के लिए चेन्नई के तेज गेंदबाज सिमरजीत सिंह ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने अपनी धारदार गेंदबाजी से आरआर की धज्जियां उड़ा दी। उनके सामने राजस्थान के बल्लेबाज लगातार संघर्ष करते नजर आए। सिमरजीत सिंह ने अपने 4 ओवर के स्पेल में सिर्फ 26 रन दिए और 3 बड़े विकेट लिए। सिमरजीत ने यशस्वी जायसवाल, जोस बटलर और संजू सैमसन का शिकार किया। वह चेन्नई की तरफ से इस मैच में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। बता दें कि पिछला आईपीएल सीजन चोटिल होने की वजह से सिमरजीत सिंह खेल नहीं पाए थे, लेकिन दूसरे सीजन में चेन्नई ने उनकी प्रतिभा देखते हुए खेलने का मौका दिया, जिसे उन्होंने खूब भुनाया।

आईपीएल : दिल्ली 47 रन से हारी, प्लेऑफ की उम्मीदें लगभग खत्म

बेंगलुरु की लगातार पांचवीं जीत

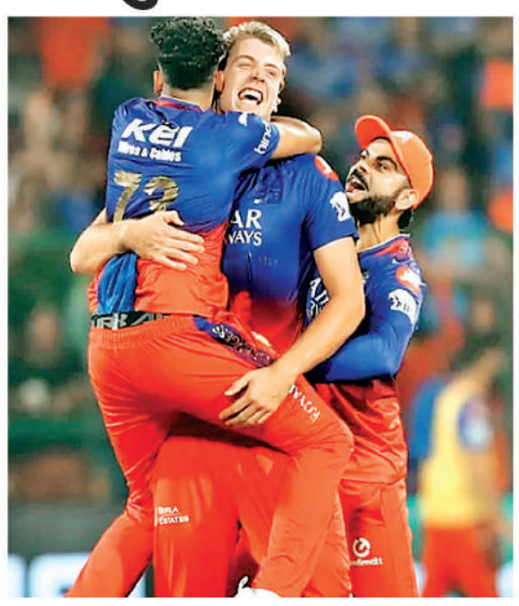

बेंगलुरु। आईपीएल 2024 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने लगातार पांचवीं जीत दर्ज कर ली है। अपने घरेलू मैदान एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर आरसीबी ने दिल्ली कैपिटल्स को 47 रन से हराया। इस हार के साथ ही दिल्ली के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीद लगभग खत्म हो गई हैं। दिल्ली को इस मैच में नियमित कप्तान ऋषभ पंत की कमी खेली जिन्हें एक मैच के लिए निलंबित किया गया है। दिल्ली और आरसीबी दोनों के 13 मैच में 12 पॉइंट हैं। हालांकि दिल्ली का नेट रन रेट माइनस में है और इसी वजह से उसके आगे जाने की संभावना काफी कम है। चेन्नई की जीत के बाद आरसीबी के लिए भी आगे जाना मुश्किल हो गया है। पहले बैटिंग करते हुए नौ विकेट पर 187 रन बनाए। दिल्ली की टीम आखिरी ओवर में 140 रनों पर ऑलआउट हो गई। रजत पाटीदार ने 32 गेंद में तीन छक्कों और तीन चौकों से 52 रन की पारी खेली। उन्होंने विल जैक्स के साथ तीसरे विकेट के लिए 88 रन की साझेदारी भी की। जैक्स के बल्ले से 29 गेंद में 41 रन निकले। कैमरन ग्रीन ने अंत में 24 गेंद में नाबाद 32 रन बनाए। दिल्ली की ओर से रसिख सलाम और खलील अहमद ने दो-दो विकेट चटकाए।

अक्षर पटेल को नहीं मिला साथ

आरसीबी के 188 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली की टीम ने ने चौथे ओवर में ही 30 रन पर चार विकेट खो दिए थे। इसके बाद कार्यवाहक कप्तान अक्षर पटेल के अर्धशतक और शाई होप 29 के साथ उनकी पांचवें विकेट की 56 रन की साझेदारी के बावजूद 19.1 ओवर में 140 रन पर सिमट गई। अक्षर ने 39 गेंद पर 5 चौके और 3 छक्कों की मदद से 57 रन रनों की पारी खेली। आरसीबी की ओर से यश दयाल ने 20 रन देकर तीन जबकि लॉकी फर्ग्युसन ने 23 रन देकर दो विकेट चटकाए।

स्कोर बोर्ड

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	रन	गेंद	4/6
विराट कोहली कै. पोरेल बोल्ड इशांत	27	13	1/3
डुप्लेसी कै. मक्गर्क बो. मुकेश कुमार	06	07	1/0
विल जैक्स कै. अक्षर बो. कुलदीप	41	29	3/2
रजत पाटीदार कै. अक्षर बो. सलाम	52	32	3/3
कैमरन ग्रीन नाबाद	32	24	1/2
लोमरोर कै. पोरेल बो. खलील	13	08	0/1
कार्तिक कै. कुलदीप बो. खलील	00	02	0/0
स्वनिल कै. कुशाग्र बो. सलाम	00	01	0/0
कर्ण शर्मा रन आउट होप	06	04	1/0
मोहम्मद सिराज रन आउट अभिषेक	00	01	0/0

अतिरिक्त: 10, कुल: 20 ओवर में नौ विकेट पर 187 रन, **विकेट पतन:** 1-23, 2-36, 3-124, 4-137, 5-174, 6-174, 7-176, 8-185, 9-187, **गेंदबाजी:** इशांत शर्मा 3-0-31-1, खलील अहमद 4-0-31-2, मुकेश कुमार 3-0-23-1, अक्षर पटेल 3-0-24-0, कुलदीप यादव 4-0-52-1, रसिख सलाम 3-0-23-2,

दिल्ली कैपिटल्स	रन	गेंद	4/6
वॉर्नर कैच जैक्स बोल्ड स्वनिल	01	02	0/0
मक्गर्क रन आउट यश दयाल	21	08	2/2
पोरेल कै. फर्ग्युसन बो. यश दयाल	02	03	0/0
शे होप कै. कर्ण बो. फर्ग्युसन	29	23	4/0
कुमार कुशाग्र पगबाधा सिराज	02	03	0/0
अक्षर पटेल कै. डुप्लेसी बो. यश दयाल	57	39	5/3
ट्रिस्टन स्टब्स रन आउट कैमरन ग्रीन	03	04	0/0
रसिख सलाम कै. जैक्स बो. ग्रीन	10	12	1/0
कुलदीप यादव बोल्ड यश दयाल	06	10	0/0
मुकेश कै. लोमरोर बो. फर्ग्युसन	03	07	0/0
इशांत शर्मा नाबाद	00	04	0/0

अतिरिक्त: 06, कुल: 18.2 ओवर में पांच विकेट पर 145 रन, **विकेट पतन:** 1-8, 2-24, 3-24, 4-30, 5-86, 6-90, 7-127, 8-128, 9-135, 10-140, **गेंदबाजी:** स्वनिल सिंह 1-0-9-1, मोहम्मद सिराज 4-0-33-1, यश दयाल 3.1-0-20-3, कर्ण शर्मा 2-0-19-0, लॉकी फर्ग्युसन 4-0-22-2, कैमरन ग्रीन 4-0-19-1, विल जैक्स 1-0-16-0,

आईपीएल 2024 अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
कोलकाता	12	9	3	18	1.428
राजस्थान	12	8	4	16	0.349
चेन्नई	13	7	6	14	0.528
हैदराबाद	12	7	5	14	0.406
बेंगलुरु	13	6	7	12	0.387
दिल्ली	13	6	7	12	-0.482
लखनऊ	12	6	6	12	-0.769
गुजरात	12	5	7	10	-1.063
मुंबई	13	4	9	8	-0.271
पंजाब	12	4	8	8	-0.423

पुरुषों की 1500 मीटर दौड़ में पहले स्थान पर रहे

भारत के परवेज खान ने जीता कॉलेजिएट एथलेटिक्स में खिताब

लुइसियाना। भारत के परवेज खान ने कॉलेजिएट एथलेटिक्स प्रतियोगिता एसईसी आउटडोर ट्रैक एंड फील्ड चैंपियनशिप 2024 में पुरुषों की 1500 मीटर का खिताब अपने नाम किया। अमेरिका के लुइसियाना प्रांत में साउथईस्टर्न कॉन्फ्रेंस द्वारा आयोजित हुई इस स्पर्धा में परवेज खान ने अंतिम चरण में बढ़त बनाई और बैटन रूज के एलएसयू बर्नी मूर स्टेडियम में दौड़ जीतने के लिए तीन मिनट और 42.73 सेकेंड का समय लिया। इस दौरान अमेरिका के मैक्स हार्डिन (3:43.39) दूसरे स्थान तथा डाल्टन हेंगस्ट ने (3:43.51) समय के साथ तीसरे स्थान पर रहे। परवेज खान फ्लोरिडा गेटर्स का प्रतिनिधित्व करते हैं। वह फ्लोरिडा यूनिवर्सिटी से स्कॉलरशिप पर अमेरिका में हैं।इसके बाद दिन में, 19 वर्षीय परवेज खान ने 800 मीटर में प्रतिस्पर्धा की और 1:46.80 के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहे। सैम व्हिटमर्श ने 800 मीटर की दौड़ 1:45.27 के समय के साथ जीती, वह अनास एस्साई से आगे रहे।

100 फीसदी दिए बगैर ही जीते परवेज खान

परवेज ने कहा, मेरे लिए 1500 मीटर आसान था। मैंने उस दौड़ में अपना 100 प्रतिशत नहीं दिया क्योंकि उसके ठीक बाद मुझे 800 मीटर में हिस्सा लेना था और सिर्फ अंतिम 200 मीटर में ही आगे बढ़ा सका। जिन्सन जॉनसन के नाम 1500 मीटर (3:35.24) और 800 मीटर (1:45.65) में राष्ट्रीय रिकॉर्ड हैं। परवेज खान 1500 मीटर में राष्ट्रीय खेल 2022 के चैंपियन हैं, जो उन्होंने 28 साल पुराने खेलों के रिकॉर्ड को तोड़ा था। उल्लेखनीय है कि परवेज खान का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय 3:38.76 है, जिसे उन्होंने पिछले महीने कैलिफोर्निया में हासिल किया था।

देव मीना ने जीता गोल्ड

भोपाल। सातवीं सीनियर नेशनल फेडरेशन एथलेक्टिक्स चैंपियनशिप का आयोजन 12 से 15 मई तक भुवनेश्वर में किया गया। चैंपियनशिप में मप्र एथलीट अकादमी के एथलीट देव मीना ने पोल वाल्ट इवेंट 5.10 मीटर स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। देव मीना ने इससे पहले दुबई में पिछले माह आयोजित एशियन जुनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था। अकादमी के प्रशिक्षक और अन्य एथलीटों ने देव मीना को स्वर्णिम सफलता के लिए बधाई दी है।

अंडर-15 भोपाल डिवीजन ने रेस्ट ऑफ एमपी को हराया

भोपाल। मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित भाऊ निवसारकर अंडर-15 बॉयज इंदौर के एमराल्ड मैदान में 10 मई से 12 मई तक चले रेस्ट ऑफ एमपी और भोपाल डिवीजन के मैच में पहली पारी में बढ़त के आधार पर भोपाल डिविजन विजयी रही। मैच के तीसरे व अंतिम दिन भोपाल डिवीजन की दूसरी पारी 60.4 ओवरों में 160 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। कनिष्क गौतम 35 रन, पियूष सिंह 22 रन और रूद्र प्रताप सिंह तोमर ने 19 रनों का योगदान दिया। रेस्ट आफ एमपी से गेंदबाजी करते हुए ऋतिक परब ने सात विकेट झटके। जवाब में रेस्ट ऑफ एमपी ने अपनी दूसरी पारी खेलते हुए अंतिम दिन का खेल खत्म होने तक 18 ओवरों में दो विकेट के नुकसान पर 40 रन बना लिए थे। बल्लेबाजी में आरव यादव 15 रन पर नाबाद रहे एवं कुशाग्र नागर ने 14 रनों का योगदान दिया।

निशानेबाजी : महिला व पुरुष वर्ग में पहले स्थान पर रहे

ओलंपिक ट्रायल में ईशा सिंह और अनीष भानवाल का शानदार प्रदर्शन

भोपाल। मध्य प्रदेश राज्य निशानेबाजी अकादमी रेंज में आयोजित ओलंपिक ट्रायल में रविवार को महिला निशानेबाज ईशा सिंह और अनीष भानवाला ने शानदार प्रदर्शन करते हुए महिला व पुरुष वर्ग में पहले स्थान पर रहे। ईशा ने महिला 25 मीटर पिस्टल और अनीष ने पुरुष 25 मीटर रेपिड फायर पिस्टल में जीत हासिल की। अनीष ने दिल्ली में इसी स्पर्धा का पहला ट्रायल जीता था, जबकि ईशा ने भी दिल्ली में कर्णी सिंह निशानेबाजी रेंज में महिला 10 मीटर एयर पिस्टल के दूसरे ट्रायल में जीत दर्ज की थी। ओलंपिक ट्रायल में यह दोनों की दूसरी जीत है। पुरुष रेपिड फायर पिस्टल फाइनल में अनीष ने दबदबा बनाया। उन्होंने पांच निशानों की शुरुआती तीन सीरीज में सभी सटीक निशाने लगाए। उन्होंने 36 अंक के साथ खिताब जीता। विजयवीर सिद्धू 31 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि अंकुर गोयल ने 19 अंक के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। आदर्श सिंह और भावेश शेखावत क्रमशरू चौथे और पांचवें स्थान पर रहे। ये सभी 10 निशानेबाज सोमवार को ओलंपिक चयन ट्रायल के चौथे और अंतिम ट्रायल में हिस्सा लेंगे।

मनु भाकर दूसरे स्थान पर रहीं

ईशा ने महिला 25 मीटर पिस्टल ट्रायल में पहली जीत दर्ज की। उन्होंने फाइनल में 43 अंक जुटाए। उनका स्कोर इसी महीने बाकू विश्व कप में कोरिया की किम येजी के विश्व रिकॉर्ड स्कोर से एक अंक अधिक है। मनु भाकर 40 निशाने लगाकर दूसरे स्थान पर रहीं जबकि रिद्धम सांगवान ने 33 अंक के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। सिमरनप्रीत कौर बरार और अभिदन्या पाटिल ने क्रमशरू चौथा और पांचवां स्थान हासिल किया। शुरुआती टीम ट्रायल के बाद महिला स्पोर्ट पिस्टल में मुन ने ईशा पर बढ़त बना रखी है, जबकि पुरुष रेपिड फायर पिस्टल में अनीष दूसरे स्थान पर चल रहे विजयवीर से काफी आगे हैं। मालूम हो कि पेरिस ओलंपिक का आयोजन इस साल जुलाई-अगस्त में होना है और भारतीय निशानेबाजों ने बेहतर प्रदर्शन करने की उम्मीद है।

नगर निगम को हराकर डीजीपी एकादश ने जीता खिताब

भोपाल। ओल्ड कैपियन मैदान पर खेली जा रही 12वीं स्वर्गीय अरविंद चतुर्वेदी स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता के विभागीय वर्ग के फाइनल में डीजीपी एकादश ने नगर निगम कमिश्नर एकादश को 14 रनों से हराकर विजेता ट्रॉफी अपने नाम की। पहले बल्लेबाजी करते हुए डीजीपी एकादश ने 18.5 ओवर में 10 विकेट खोकर 142 रन बनाए। डीजीपी एकादश की ओर से प्रज्ञा बालरे 23 रन, नागेंद्र सिंह 21 रन की पारी खेली। कमिश्नर एकादश नगर निगम की ओर से गेंदबाजी करते हुए राजवीर वेद और पंकज कल्याने ने तीन-तीन विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी कमिश्नर एकादश नगर निगम की टीम निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट पर 128 रन बना सकी। मुदस्सर आलम नाबाद 61 रन, मनाजिर अली 28 रन, रणबीर वैद्य ने 17 रन बनाए। गेंदबाजी में डीजीपी एकादश की ओर से शुभम चौहान और विजय सिंह ठाकुर ने तीन-तीन विकेट लिया। शुभम चौहान मैन ऑफ द फाइनल बने। पुरस्कार वितरण समारोह में श्रीमती बबीता डोंगरे पार्षद वार्ड क्रमांक 81, सुरेश चेनानी कोच अरेरा अकादमी, नागेंद्र सिंह एसपी सिक्योरिटी मध्य प्रदेश, जुल्फिकार अली नेशनल हॉकी प्लेयर उपस्थित रहे।

उज्जैन ने भोपाल डिवीजन को हराया

भोपाल। मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित जेएन भाया ट्रॉफी टी-20 बॉयज इंटर डिविजनल क्रिकेट टूर्नामेंट रीवा के एमपीसीए मैदान में उज्जैन डिवीजन और भोपाल डिवीजन के बीच मैच खेला गया। उज्जैन डिवीजन के कप्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। भोपाल डिवीजन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.3 ओवरों में 139 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। भोपाल से अंकुश सिंह 38 रन, अनिकेत वर्मा 37 रन एवं राहुल बाथम ने 18 रनों का योगदान दिया। उज्जैन डिवीजन से गेंदबाजी करते हुए पार्थ शाहनी ने चार विकेट वकेट लिए। जवाब में उज्जैन डिवीजन ने 12.1 ओवरों में तीन विकेट के नुकसान पर 143 रन बनाकर यह मैच सात विकेट से जीत लिया।

अविनाश साबले पुरुषों की 5000 मीटर स्पर्धा में दूसरे स्थान पर

मप्र अकादमी की दीक्षा ने रचा इतिहास 1500 मीटर दौड़ में बनाया नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली। भारतीय ट्रैक एथलीट और मध्य प्रदेश एथलीट अकादमी की केएम दीक्षा ने लॉस एंजिल्स में साउंड रनिंग ट्रैक महोत्सव में महिलाओं की 1500 मीटर में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। वहीं, अविनाश साबले पुरुषों की 5000 मीटर स्पर्धा में दूसरे स्थान पर रहे। दीक्षा ने प्रतियोगिता में 4 मिनट 4.78 सेकंड का समय लेकर दूसरा स्थान हासिल किया। इस 25 वर्षीय खिलाड़ी ने हरमिलन बैंस का रिकॉर्ड तोड़ा जिन्होंने 2021 में वारंगल में राष्ट्रीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 4 मिनट 5.39 सेकंड के समय के साथ रिकॉर्ड बनाया था। उत्तर प्रदेश के अमरोहा के रहने वाली दीक्षा का पिछला सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4 मिनट 6.07 सेकंड था जो उन्होंने 2023 में भुवनेश्वर में राष्ट्रीय अंतरराज्यीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप के फाइनल में हासिल किया था।

5000 मी. : पारूल चौधरी पांचवें स्थान पर रही

महिलाओं की 5000 मीटर दौड़ में पारूल चौधरी 15 मिनट 10.69 सेकंड का समय लेकर पांचवें स्थान पर रही जबकि अंकिता ने इसी स्पर्धा में 15 मिनट 28.88 सेकंड का समय लेकर दसवां स्थान हासिल किया। साबले ने पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में 13 मिनट 20.37 सेकंड का समय लेकर दूसरा स्थान हासिल किया। इस स्पर्धा में भाग ले रहे भारत के एक अन्य खिलाड़ी गुलवीर सिंह ने 13 मिनट 31.95 सेकंड में दौड़ पूरी की। साबले का 5000 मीटर दौड़ में राष्ट्रीय रिकॉर्ड 13 मिनट 19.30 सेकंड है। कार्तिक कुमार ने पुरुषों की 10000 मीटर दौड़ में 28 मिनट 7.66 सेकंड का समय लेकर दूसरा स्थान हासिल किया।

सिकंदर रजा का अर्धशतक, जिम्बाब्वे ने बांग्लादेश को आठ विकेट से हराया

मीरपुर। ब्रायन बेनेट (70) के हरफनमौला प्रदर्शन और सिकंदर रजा के नाबाद 72 रन की अर्धशतकीय पारियों के दम पर जिम्बाब्वे ने एकतरफा अंदाज में बांग्लादेश को पांचवें टी-20 मुकाबले में आठ विकेट से हरा दिया है। टी-20 विश्वकप 2024 के शुरू होने से पहले सभी टीमों द्वारा की जा रही अपनी तैयारियों को पुख्ता करने के मद्देजनर बांग्लादेश पहुंची जिम्बाब्वे की टीम पांच टी-20 मैचों की श्रृंखला के शुरुआती चार मुकाबलों में मिली हार के साथ श्रृंखला भी गवां चुकी थी। ऐसे में खेले गये सीरीज के पांचवें और आखिरी मुकाबले में बांग्लादेश को उलटफेर का सामना करना पड़ा है। जिम्बाब्वे की यह जीत शीर्ष टीमों के लिये चेतावनी है कि वह उन्हें हल्के में ना ले।

शतरंज तीसरे स्थान पर बरकरार हैं प्रगनानंद

प्रगनानंद ने वर्ल्ड नंबर वन कार्लसन को हराया

नई दिल्ली। भारत के युवा ग्रैंडमास्टर आर प्रगनानंद ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सुपरबेट रैपिड और ब्लिट्ज शतरंज टूर्नामेंट में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन को हराकर अपनी प्रतिभा दिखाई। प्रगनानंद जीत के बावजूद तीसरे स्थान पर बने हुए हैं, जबकि चीन के वेई यी ने 2.5 अंकों की मजबूत बढ़त हासिल कर ली है। यह पहली बार नहीं है जब प्रगनानंद ने कार्लसन पर जीत दर्ज की है। वह इससे पहले भी कई मौकों पर विश्व के नंबर एक खिलाड़ी को चौंका चुके हैं। हाल ही में कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतकर इतिहास रचने वाले विश्व चैंपियनशिप के चैलेंजर डी गुकेश की फॉर्म चिंता का विषय बनी हुई है क्योंकि वह 175000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि वाले इस टूर्नामेंट में 9.5 अंकों के साथ अंतिम स्थान पर हैं। भारत के अर्जुन एरीगैसी 14 अंक लेकर चौथे स्थान पर हैं, जबकि पोलैंड के डुडा जान क्रिज्सटोफ 13 अंकों के साथ उनके ठीक पीछे हैं। उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसात्तोरोव 12.5 के साथ छठे स्थान पर हैं और उन्होंने जर्मनी के विंसेंट कीमर पर एक अंक की बढ़त बना रखी है। प्रतियोगिता के शुरू में शीर्ष पर

रामायण

सिर्फ राम ही सत्य है

बाकी सब तो गलत है। गुह। मोह जो जड़ है, केवल राम ही सत्य है। केवल ब्रह्म ही सत्य है। शायद गुहराज यह माने तो फिर यह सब आना और जाना है? इसलिए लक्ष्मण जी ने आगे कहा, यह सब तो भ्रांति है। ब्रह्म ही सत्य है, जगत झूठा है। पर वह तो उसकी भूमिका पर पहुंच कर विचार किया जा सकता है। कच्ची भूमिका वह नहीं कहलाती कि सब झूठा है वह तो उस स्तर पर पहुंच कर कहा जा सकता है। एक व्यक्ति बैठा-बैठा जेब में से कुछ न कुछ निकालकर फेंकता था। एक व्यक्ति वहां से जा रहा था उसने पूछा, क्या फेंक रहे हो? वह बोला बंदरों को चने खिला रहा हूं। तो एक भी बंदर दिखाई नहीं दे रहा। वह व्यक्ति बोला, मेरे पास चने भी कहां हैं। तुलसी जी का समन्वयवाद है वे जब किसी वस्तु का खंडन करते हैं तो उसी समय हल भी कर देंगे। गुह कहते हैं कि आपने सबको मोह का जड़ कहा तो फिर परमार्थ कौन-सा है? अत: तुरंत ही परमार्थ की व्याख्या कर डाली।

मोरारी बापू जी

सखा परम परमारथ एहु।
मन क्रम वचन रामपद नेहु।

मन, वचन, कर्म से राम के चरणों में प्रेम करना ही परमार्थ है। इसके सिवा और कोई परमार्थ नहीं है। शायद किसी को यह लगे कि हमारे पास अनुकूलता, साधन संपत्ति नहीं है तो परमार्थ किस तरह करे? केवल पैसे से परमार्थ नहीं होता। तुलसी जी ने इसकी व्याख्या बहुत सुंदर की है। मन, वचन और कर्म से राम के चरणों में प्रीत बांधना दुनिया का सर्वोत्तम परमार्थ है। इसका अर्थ यह नहीं कि किसी और साधन से परमार्थ न करें। हमारे पास जो हो उससे परमार्थ अवश्य करना चाहिए। पर शायद कोई साधनहीन हो तो उसे भी निराश नहीं होना चाहिए। लक्ष्मण जी बोले, गुहराज अब मैं तुझसे क्या छिपाऊं?

दूसरे के बारे में बात न करके देखो

आप एक प्रयोग करियेगा। कभी किसी के साथ, किसी भी आदमी या औरत के साथ बैठकर बातचीत करियेगा। शर्त बस इतनी है कि किसी दूसरे के बारे में बातचीत नहीं करती है, पर बातचीत तो करनी ही है। तुम कहोगे, अच्छा, तो हम आप ही की बातें करेंगे। पर याद रहे, मैं भी तो दूसरा व्यक्ति हूं। दूसरा मतलब तुम्हारे खुद के अलावा अन्य व्यक्ति। तो बातचीत जरूर करनी है, लेकिन दूसरे के बारे में आप बातचीत नहीं करेंगे। घर, घरवाले और जिस किसी को भी आप जानते हो, ऐसे किसी भी व्यक्ति, वस्तु या स्थान के बारे में बातचीत नहीं करेंगे। बहुतों के मन में आ रहा था कि हम किसी दूसरे के बारे में बातचीत क्यों करेंगे। हम तो गुरुमां जी के बारे में बातचीत करेंगे, तो अब मैंने उस बात को भी काट दिया है। गुरु मां के बारे में भी बातचीत आप नहीं करेंगे। आमतौर पर तुम्हें कहा जाता है कि चुप रहिये, मौन रहिये, लेकिन आज मैं दूसरी बात कह रही हूं कि बात करिये, जरूर करिये। लेकिन किसी दूसरे के बारे में बात नहीं करनी। अब आप यह भी सोच सकते हैं कि ठीक है, तो फिर हम परमात्मा के बारे में बातचीत करेंगे। याद रहे, तुम्हारे लिये तो अभी परमात्मा भी दूसरा ही है। संसार के लोगों से तो तुम्हारा थोड़ा-बहुत परिचय होगा, लेकिन परमात्मा से तो तुम्हारा उतना ही परिचय नहीं है। परमात्मा के बारे में अगर आप चर्चा करना भी चाहो, तो यही चर्चा करोगे कि परमात्मा कितना महान है, परमात्मा कहां रहता है, शास्त्रों में ऐसा कहा गया है कि परमात्मा तो सब जगह में रहते हैं, हमारे अंदर भी रहते हैं, सभी के अंदर रहते हैं। परमात्मा के बारे में चल रही तुम्हारी चर्चा भी दूसरे की चर्चा हो रही है। तो गुरु की चर्चा दूसरे की चर्चा है।

गुरु मां

प्रकाश से आत्मदीप और ज्योति आमंत्रित करें

उनमें उत्तम प्रकाश आज भी दीप-दर-दीप हमारे समरूा चिरंजीव है। उस प्रकाश से हम भी अपने आत्मदीप में ज्योति को आमंत्रित कर सकते है। अग्रेंजी के सुप्रसिद्ध कवि लांगफेलो का ये पंक्तियां कितनी सटीक है-

Lives of greatmen all remind us,
We can make our lives sublime,
And, departing, leave behind us,
Foot prints on the sands of time.

महापुरूषों की जीवनियां हमें याद दिलाती हैं कि हम भी अपना जीवन महान बना सकते है और जाते समय अपने पगचिन्ह समय के बालू पर छोड़ सकते है। महापुरूषों का जीवन हमारें लिए इस बात का प्रमाण है कि हम भी अपने जीवन को महान बना सकते है। महावीर की अंहिसा, बुद्ध की करूणा, और क्रइस्ट का प्रेम प्रमाण है कि वह अंहिसा, करूणा और प्रेम हमारे जीवन के सितार पर भी ध्वनित और झंकृत बन सकती है। महावीर में प्रगट हुआ कैवल्य प्रमाण है कि हमारे भीतर कैवल्य प्रसुप्त है। उस कैवल्य को जगाना भर है। महापुरूषों के जीवन खुली किताब के सम्मान हमारे समक्ष मौजूद हैं। उन किताबों का लिख हमारे जीवन की किताब का अक्षर-लेख बन सकता है। जगत में हजारों लाखों की संख्या में मंदिर, मस्जिद, चर्च आदि धर्मस्थल हैं। लाखों की संख्या में दवाखानों, महाविद्यालय, विश्वविद्यालयादि आदि शिक्षण संस्थाएं है। लाखों की में दवाखने, डिस्पेंसरीज और हस्पताल आदि स्वास्थ संस्थाएं है। ये सब धूर्स्थल, शिक्षण संस्थाएं और स्वास्थ-संस्थाएं किसके लिए हैं? नि:संदेह ये सब मनुष्य के लिए ही है।

मुनि मणिभद्र

जो पावै सो आणि दिखावै

संतमत सिद्धांत

महान पवित्र पुस्तक 'गुरुमत सिद्धांत 84 विषयों वाला' के बाद 'सन्तमत सिद्धांत' श्री राधा स्वामी सत्संग ब्यास जी की ओर से इस पृथ्वी पर हर इंसान के लिए ऐसी अनूठी कृति है कि जीवन सुखी रह सकता है। महाराज सावन सिंह जी रचित 'सन्तमत सिद्धांत' के समर्पण में चरन सिंह जी महाराज ने लिखा है कि गुरुवाणी के गूढ़ विषयों को आसानी से समझना और पालन करने तक की विवेचना 'सन्तमत सिद्धांत' में की गई है। महाराज सावन सिंह जी ने 'सन्तमत सिद्धांत' में जो कुछ मानवता के लिए समर्पित किया, इस महान संकलन को हम अपने पाठक प्रेमियों की भारी मांग पर अक्षरशः प्रस्तुत कर रहे हैं ताकि वे व्यावहारिक जीवन में एक-दूसरे से प्यार कर सकें, परोपकार कर सकें, जोकि सन्तमत सिद्धांत का वास्तविक उद्देश्य है। - संपादक

संगी जोगी नारि लपटाणी॥ उरझि रही रंग रस माणी॥
किरत संजोगी भए इकत्रा करते भोग बिलासा हे॥
जो पिरु करै सु धन ततु मानै॥ पिरु धनहि सीगारि रखै संगानै॥
मिलि एकत्र वसहि दिनु राती प्रिउ दे धनहि दिलासा हे॥
धन मागै प्रिउ बहु बिधि धावै॥ जो पावै सो आणि दिखावै॥
एक वसतु कउ पहुचि न साकै धन रहती भूख पिआसा हे॥
आई आगिआ पिरहु बुलाइआ॥ ना धन पुछी न मता पकाइआ॥
ऊठि सिधाइओ छूटरि माटी देखु नानक मिथन मोहासा हे॥
-गुरु अर्जुनदेव जी (आदि ग्रंथ, पृ. 1072-73)

जल अति बहै अथाह थाह तट ना मिलै।
केहि बिधि उतरूं उतंग संग कोइ ना चलै॥
है कोइ केवट यार पार मोहिं कीजिए।
जहं मोरे पिय को देस भेद तहं लीजिए॥
(तुलसी साहिब की शब्दावली, भाग 1, पृ. 87)

सुरत तू दुखी रहे हम जानी॥ टेक॥
जा दिन से तुम शब्द बिसारा। मन संग यारी ठानी॥
मन मूरख तन साथ बंधानी। इंद्री स्वाद लुभानी॥
कुल परिवार सभी दुखदाई। इन संग रहत भुलानी॥
तू चेतन यह जड़ सब मिथ्या। क्यों कर मेल मिलानी॥
ताते चेत चलो यह औसर। नहिं भरमो तुम खानी॥
सत्संग करो सत्त पद खोजो। सतगुरु प्रीत समानी॥
नाम रतन गुरु देयं बुझाई उलट चढ़ो असमानी॥
इतना काम करो तुम अब के। फिर आगे की सतगुरु जानी॥
राधास्वामी कहन सम्हारो। दुख छूटे सुख मिले निशानी॥
(स्वामी जी, सार बचन, 14 : 10)

सुरत सुन बात री। तेरा धनी बसे आकाश॥
तजो संग जार री। तू देख पिया परकाश॥
चलो गुरु की लार री। तू पावे अजर निबास॥
गहो सरन कोई साध री। जो मिले शब्द घर बास॥
(स्वामी जी, सार बचन, 19: 6:1-4)

सुन री सखी चढ़ महल विराज। जहं तेरे प्रीतम बैठे आज॥
कर बिलास और जग से भाज। तख्त बैठ और कर व्हां राज॥
हंसन का जहं जुड़ा समाज। तू उन मिलकर अपना काज॥
(स्वामी जी, सार बचन, 20:30:1-3)

हंसनी क्यों पीवे तू पानी॥
सागर क्षीर भरा घटभीतर। पीवो सूरत तानी॥
जग को जार धसो नभ अंदर। मंदर परख निशानी॥
गुरु मूरत तू धार हिये में। मन के संग क्यों फिरत निमानी॥
तेरा काज करें गुरु पूरे। सुन ले अनहद बानी॥
(स्वामी जी, सार बचन, 20: 19:1-4)

आशा-मनसा

'आशा' का अर्थ है इच्छा और 'मनसा' का अर्थ है तृष्णा। गुरुमत के अनुसार, आशा-मनसा ही जीव के बंधन का वास्तविक कारण है। सागर की लहरों की भांति आशा-मनसा मन में नित्य नई तरंगें पैदा करती रहती हैं। सारा संसार इनके चक्र में फंसकर दिन-रात माया के धंधों में लगा रहता है। जीव के आशा-मनसा के अधीन होकर किए गए कर्म इसको चौरासी के चक्र में फंसाए रखते हैं। सारा जगत बार-बार आशा-मनसा के कारण पैदा होता और मरता है, पर आशा-मनसा नहीं मरती। गुरु नानक साहिब कहते हैं:

भुखिआ भुख न उतरी जे बंना पुरीआ भार॥
(आदि ग्रंथ, पृ. 1)

मन अंधे कुएं के समान है। इसमें चाहे सारी त्रिलोकी रख दी जाए, यह फिर भी खाली रहता है। गुरु अमरदास जी कहते हैं :

जे लख इसतरीआ भोग करहि नव खंड राजु कमाहि॥
बिनु सतगुर सुखु न पावई फिरि फिरि जोनी पाहि॥
(आदि ग्रंथ, पृ. 26)

आप समझाते हैं कि इंसान को चाहे सारे संसार का राज-पाट मिल जाए, सारे संसार के भोग-पदार्थ मिल जाएं और सैकड़ों सुंदर स्त्रियों का साथ प्राप्त हो जाए, फिर भी इसकी हवस कभी पूरी नहीं हो सकती। इच्छाओं की पूर्ति से मन कभी शांत नहीं होता, बल्कि इसके अंदर इच्छाओं-तृष्णाओं की और अधिक लहरें उठती रहती हैं। ये इच्छाएं-तृष्णाएं ही सब दुखों का मूल कारण हैं। इच्छा का बीज बहुत छोटा होता है, पर इसकी पूर्ति के लिए लंबे दुखदायी संघर्ष में से गुजरना पड़ता है। न कभी तृष्णाएं खत्म होती हैं और न ही इंसान के दुख खत्म होते हैं। जब तक मन को इंद्रियों के भोगों और विषयों-विकारों से ऊंची लज्जत प्राप्त नहीं होती, ये कभी भी सांसारिक वस्तुओं की इच्छाओं-तृष्णाओं से मुक्त नहीं हो सकता।

इसे विषय-वासनाओं और संसार की कामनाओं से मुक्त करने वाला सार पदार्थ प्रभु का नाम है। गुरु अमरदास जी कहते हैं :

गुर का सबदु अंम्रितु है सभ त्रिसना भुख गवाए॥
हरि रसु पी संतोखु होआ सचु वसिआ मनि आए॥
(आदि ग्रंथ, पृ. 850)

आप समझाते हैं कि जब गुरु के उपदेशानुसार मन को अंतर में शब्द या नाम रूपी अमृत में लीन करते हैं, तो इसकी हर प्रकार की भूख शांत हो जाती है। इसके अंदर सच्चा संतोष आ जाता है और आत्मा-परमात्मा रूपी सत्य में समाकर उसका रूप बन जाती है। इस तरह साधक आशा-मनसा से मुक्त होकर परम आनंद के सहज धाम को प्राप्त कर लेता है।

जैन मुनि डॉक्टर मणिभद्र की सर्वोदय शांति पदयात्रा पहुंची बद्रीनाथ धाम

अक्षय तृतीया पर जैन संतों ने किया वर्षी तप का पारणा

जैन संत अभिषेक मुनि के सान्निध्य में राष्ट्र संत नेपाल केसरी डॉक्टर मणिभद्र महाराज की 23 फरवरी 2024 से मेरठ से प्रारंभ हुई सर्वोदय शांति पद यात्रा बड़ौत, मुजफ्फर नगर, हरिद्वार, देहरादून, मसूरी, ऋषिकेश, श्रीनगर, देव प्रयाग, रुद्र प्रयाग, कर्ण प्रयाग, नंद प्रयाग, जोशी मठ, विष्णु प्रयाग होती हुई 75 दिन की पद यात्रा 8 मई को बद्रीनाथ धाम पहुंच गई । यही पर स्थित है भारत का पहला ग्राम माणा जिसका प्राचीन नाम मणिभद्र पुरी है। बद्रीनाथ धाम पहुंचने पर अक्षय तृतीया के दिन बद्रीनाथ धाम स्थित यूथ हॉस्टल में जैन संत डॉक्टर मणिभद्र महाराज एवम आशीष मुनि के वर्षी तप का पारणा अभिषेक मुनि के सान्निध्य में संपन्न हुआ जिसमें मेरठ, चंडीगढ़, दिल्ली, सोनीपत सहित कई स्थानों से आए भक्तजन शामिल हुए इसके बाद संतों की यात्रा भारत सेवा श्रम आश्रम पहुंची जहां उनकी मुलाकात बद्रीनाथ पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरा नंद महाराज से हुई। दो धर्मों के संतों की मुलाकात में शंकराचार्य महाराज ने जैन दर्शन और महावीर के सिद्धांतों अहिंसा और अपरिग्रह के प्रति अपनी जिज्ञासा जाहिर की। उन्होंने जैन संतों की 85000 किलोमीटर की पद यात्रा के अनुभव, भिक्षाचारी, श्रावकों और जैन संतों द्वारा पालन किए जाने वाले नियमों के संबध में भी जैन संतों से जानकारी ली। जैन संत डॉक्टर मणिभद्र महाराज ने शंकराचार्य महाराज को जैन शास्त्रों, जैन आगम, उपासक दशांग सूत्र, उत्तराध्ययन सूत्र के संबध में विस्तृत जानकारी दी और उनके द्वारा नेपाली में अनुवादित की गई उत्तराध्ययन सूत्र की पुस्तक भी भेंट की नेपाल और जैन धर्म के संबध में भी शंकराचार्य महाराज की जिज्ञासा को शांत किया। जैन संतों के दर्शन के लिए नेपाल से भी अनेक भक्तजन बद्रीनाथ धाम पहुंचे थे।

अलग-अलग रोजा और अहमियत

फजाइले अमाल

शरहे एह्या में बाज मशाइख का किस्सा लिखा है कि अगर इफ्तार के वक्त से पहले कोई चीज कहीं से आ जाती थी तो इसको किसी दूसरे को दे देते थे, मुबादा दिल को उसकी तरफ इल्तफात हो जाए और तवक्कुल में किसी किस्म की कमी हो जाए।मगर ये उमूर बड़े लोगों के लिए हैं, हम लोगों को इन उमूर की हवस करना भी बे-महल है और इस हालत पर पहुंचे बगैर इसको अख्तियार करना अपने को हलाकत में डालना है। मुफस्रीन ने लिखा है कि:

कुति-ब अलैकुमुस्सियामु

में आदमी के हर जुज्व पर रोजा फर्ज किया गया है। पस जबान का रोजा झूठ वगैरह से बचना है और कान का रोजा नाजायज चीजों को सुनने से एहतराज, आंख का रोजा लह्व व लअिब की चीजों से एहतराज है और ऐसे ही बाकी आजा, हत्ताकि नपस का रोजा हिर्स व शहवतों से बचना, दिल का रोजा दुनिया की मुहब्बत से खाली रहना, रूह का रोजा आखिरत की लज्जतों से भी एहतराज और सिर्रे खास का रोजा गैर अल्लाह के वजूद से भी एहतराज है।

10. पैगंबर साहब का इर्शाद है कि जो शख्स (कसदन) बिला किसी शरई उज्र के एक दिन भी रमजान के रोजे को इफ्तार कर दे, गैर रमजान का रोजा चाहे तमाम उम्र के रोजे रखे, इसका बदल नहीं हो सकता। फ़ : बाज उलेमा का मजहब, जिनमें हजरत अली कर्रमल्लाहु वज्हहू वगैरह हजरात भी हैं, इस हदीस की बिना पर यह है कि जिसने रमजानुल मुबारक के रोजे को बिना वजह खो दिया, उसकी कजा हो ही नहीं सकती, चाहे उम्र भर रोजे रखता रहे। मगर जम्हूर फुकहा के नजदीक अगर रमजान का रोजा रखा ही नहीं तो एक रोजे के बदले एक रोजे से कजा हो जाएगी और अगर रोजा रखकर तोड़ दिया तो कजा के एक रोजे के अलावा दो महीने के रोजे कफ्फारे के अदा करने से फर्ज जिम्मे से साकित हो जाता है, अलबत्ता वह बरकत और फजीलत जो रमजानुल मुबारक की है, हाथ नहीं हो सकती और इस हदीस पाक का मतलब यही है कि वह बरकत हाथ नहीं आ सकती कि जो रमजान शरीफ में रोजा रखने से हासिल होती। यह सब कुछ इस हालत में है कि बाद में कजा भी करे और अगर सिरे से रखे ही नहीं जैसा कि इस जमाने के बाज फुस्साक की हालत है, तो इस गुमराही का क्या पूछना? रोजा अरकाने इस्लाम से एक रुक्न है।

पैगम्बर साहब ने इस्लाम की बुनियाद पांच चीजों पर इर्शाद फरमाई है :

सबसे अव्वल तौहीद व रिसालत का इकरार,
इसके बाद इस्लाम के चारों मशहूर रुक्न नमाज, रोजा, जकात, हज,

कितने मुसलमान हैं जो मरदुम शुमारी में मुसलमान शुमार होते हैं, लेकिन इन पांचों में से एक के भी करने वाले नहीं। सरकारी कागजात में वे मुसलमान लिखे जाएं, मगर अल्लाह की फिहरिस्त में वे मुसलमान शुमार नहीं हो सकते। हत्ता कि हजरत इब्ने अब्बास रजियल्लाहु तआला अन्हु की रिवायत में है कि इस्लाम की बुनियाद तीन चीज पर है, कलिमा-ए-शहादत और नमाज और रोजा।

बाइबल की कहानियां

हमें जो दिया ईश्वर ने दिया

हमारे पास जितनी भी अच्छी चीज़ें हैं, वे सब हमें परमेश्वर ने दी हैं। उसने हमें दिन में रोशनी देने के लिए सूरज बनाया। और रात में थोड़ी-बहुत रोशनी देने के लिए चांद-तारे बनाए। और हां, हमारे रहने के लिए धरती भी बनायी। लेकिन परमेश्वर ने सूरज, चांद-तारे और धरती बनाने से पहले और भी किसी को बनाया था। मालूम है किसे? स्वर्गदूतों को। मगर जैसे हम परमेश्वर को नहीं देख सकते, वैसे ही हम स्वर्गदूतों को नहीं देख सकते। परमेश्वर ने उन्हें इसलिए बनाया, ताकि वे उसके साथ स्वर्ग में रह सकें। जिस स्वर्गदूत को सबसे पहले बनाया गया, उसे परमेश्वर का बेटा कहा गया। परमेश्वर अपने बेटे से बहुत प्यार करता था। वह पहला स्वर्गदूत अपने पिता, परमेश्वर के साथ काम करता था। उसने बाकी सभी चीज़ें बनाने में अपने पिता की मदद की। यहां तक कि सूरज, चांद-तारे और हमारी धरती को बनाने में भी। पता है शुरू में धरती कैसी थी? उस समय पूरी धरती पर सिर्फ पानी-ही-पानी था और चारों तरफ अंधेरा छाया हुआ था। इसलिए धरती पर कोई नहीं रह सकता था। मगर परमेश्वर चाहता था कि धरती पर इंसान रहें। इसलिए हमारे रहने के लिए उसने तैयारी करनी शुरू की। जानते हैं उसने क्या-क्या किया? सबसे पहले, धरती पर रोशनी की ज़रूरत थी। इसलिए परमेश्वर ने धरती पर सूरज की रोशनी चमकायी। उसके बाद धरती पर दिन और रात दोनों होने लगे। फिर परमेश्वर ने कुछ ऐसा किया, जिससे सूखी ज़मीन पानी के ऊपर आ गयी। उस समय ज़मीन पर कुछ भी नहीं था। न फूल, न पेड़, न जानवर। समुंदर में मछलियां भी नहीं थीं।

स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज

देश भर में अपनी अमृत धारा से सत्य की अनुभूति देशवासियों को कराने वाले राष्ट्र संत गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज के सौजन्य से लाखों लोग लाभ उठा रहे हैं उनके प्रवचनों पर आधारित यह ज्ञान गंगा पाठकों का कल्याण करेगी ऐसा विश्वास है।

संसार को सुख मानते हो तो यह महाअज्ञान

फिर देखें, कैसे आध्यात्म पथ प्रशस्त एवं परिष्कृत होता है? कैसे मन में तीव्र गति से अग्रसर होता है अपने गंतव्य की ओर बस! बहुत हो चुका, अब तो विचार करें-

संसार को सुख रूप माना है महा अज्ञान यह,
अनित्य-अपूर्ण जगत तो मूर्ख! दु:खों की खान है।
मोहित तू इतना हो गया, दुनिया की झूठी शान में,
नर देह की कुछ कदर कर, वृत्ति जमा अब ध्यान में॥

यही असल वैराग्य है

सबसे पहले श्री भगवान के मुखारविंद से नि:सृत इन दो अनमोल उपायों-अभ्यास और वैराग्य पर विचार कर लिया जाए। वैसे यह कहना अनुचित नहीं होगा कि मन की इस अध्यारोपित मूढ़ता को दूर करने के वास्तव में हैं ही ये दो उपाय। जितने भी तत्संबंधी साधन या विधियां होंगी, वे परोक्षापरोक्ष रूप में इन्हीं के अंतर्गत आ जाती हैं। अभ्यास और वैराग्य के दोनों साधन वास्तव में अन्योन्याश्रित हैं। जितना अधिक अभ्यास किया जाएगा, उतना ही वैराग्य में तीव्रता आएगी- जहां यह बात पूर्णतया ठीक है, वहीं इस तथ्य से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि वैराग्य जितना अधिक प्रदीप्त होगा, ज्वलंत होगा अभ्यास करते हुए वृत्ति उतनी ही शीघ्र स्वरूप की ओर अग्रसर होगी। अभ्यास कहते हैं- दीर्घकाल तक किसी क्रिया को श्रद्धापूर्वक बिना उकताए निरंतर करते जाना और वैराग्य का अभिप्राय है- जो वस्तु जैसी है, उस पर अपनी कल्पना का रंग न चढ़ाकर उसे वैसा ही समझ लेना।

जौनपुर में पत्रकार की गोली मारकर हत्या, साथियों में आक्रोश

प्रखर जौनपुर। जौनपुर के पत्रकार आशुतोष श्रीवास्तव की हत्या के बाद जिले भर के पत्रकारों में रोष व्याप्त है। शाहगंज कोतवाली क्षेत्र के सबरहद निवासी आशुतोष श्रीवास्तव (48) न्यूज पोर्टल चलाते थे। आशुतोष गोतस्करों और भूमाफियाओं के खिलाफ हमेशा

शाहगंज के कोतवाल के निलंबन और सीओ को हटाने की मांग

खबरें लिखते थे। आज सोमवार की सुबह करीब साढ़े नौ बजे आशुतोष श्रीवास्तव किसी काम से थाना क्षेत्र के ही इमरानगंज बाजार बुलेट पर सवार होकर जा रहे थे। चौराहे पर ही बाइक सवार युवकों ने आशुतोष के सीने में कई गोलियां मारीं। इस हमले में आशुतोष श्रीवास्तव की मौत हो गई। आशुतोष अपनी खबरों को लेकर लगातार गोतस्करों और भूमाफियाओं की आंख में खटक रहे थे। लगातार उन्हें इसके फीडबैक भी मिल रहे थे। परिजनों

के मुताबिक शाहगंज के कोतवाल और क्षेत्राधिकारी ने आशुतोष पर चुनाव के दौरान हमला होने की जानकारी दी थी। आशुतोष ने एक माह पहले ही सीओ शाहगंज और थाना प्रभारी शाहगंज से जान व माल की रक्षा के लिए गुहार लगाई थी। ध्यान नहीं दिया गया। पत्रकार आशुतोष श्रीवास्तव की हत्या के बाद जिले भर के पत्रकार आक्रोशीत है। शाहगंज पुरुष अस्पताल पहुंचने पर शाहगंज के पत्रकारों व पुलिस टीम के बीच कहासुनी हुई। जिला मुख्यालय पर भी पत्रकारों ने घटना की निंदा करते हुए विरोध दर्ज कराया। पत्रकारों की बैठक में शाहगंज कोतवाल के निलंबन और सीओ को हटाने की उठी मांग।

पत्रकार आशुतोष श्रीवास्तव की हत्या के बाद जौनपुर के कलेक्ट्रेट स्थित पत्रकार भवन में दोपहर 12 बजे पत्रकारों की एक आपात बैठक बुलाई गई। बैठक में उपस्थित पत्रकारों ने एक सुर में घटना की निंदा की। वारदात के पीछे पुलिसिंग की नाकामी बताई गई। पत्रकारों का कहना है कि पत्रकार आशुतोष श्रीवास्तव पर हमले की सूचना पुलिस को पहले से ही थी। इसके बावजूद आशुतोष श्रीवास्तव को सुरक्षा नहीं दी गई। उन्हें भगवान भरोसे छोड़ दिया गया। पुलिस की इसी उदासीनता से बदमाशों के हौसले बुलंद हो गए। आखिरकार उन्होंने इमरानगंज चौराहे पर घेरकर उन्हें मौत के घाट उतार दिया। पत्रकारों ने शाहगंज के कोतवाल तारकेश्वर राय के निलंबन और क्षेत्राधिकारी शाहगंज को तत्काल हटाने की मांग की है । हमले की पूर्व सूचना होने के बाद भी पत्रकार की हत्या हो जाने पर लापरवाही बरतने के आरोप में दोषी कोतवाल तारकेश्वर राय को निलंबित करने और क्षेत्राधिकारी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की मांग की गई। इस दौरान उपस्थित पत्रकारों ने हां मृतक पत्रकार राजपूत श्रीवास्तव की आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन धारण ईश्वर से प्रार्थना की ।

इस दौरान राजेश श्रीवास्तव, राजकुमार सिंह, शशिराज सिन्हा, शंभु सिंह, अजीत सिंह, राकेशकान्त पांडेय, जावेद अहमद, रामजी जायसवाल, जुबेर अहमद, अरशद अब्बास, देवेंद्र खरे, दीपक उपाध्याय, प्रमोद गुप्ता, आदित्य भारद्वाज, अखिलेश श्रीवास्तव, अजीत चक्रवर्ती, संतोष राय, संजय चौरसिया, नीतीश कुमार राहुल, अजीत गिरी, अहमद हसन, शशि मौर्या, भोले विश्वकर्मा, संजय सिंह, संजय अस्थाना, कृपा शंकर यादव, आदि उपस्थित रहे।

पत्रकार व आरएसएस कार्यकर्ता की पेशेवर अपराधियों ने गोली मारकर की हत्या

घटना के बाद हमलावर फरार, धड़ाधड़ बंद हुई दुकानें, गांव व बाजार में भारी पुलिस बल तैनात

खेतासराय/शाहगंज(जौनपुर। कोतवाली शाहगंज के इमरानगंज बाजार में पेशेवर अपराधियों ने गाड़ी रोककर सबरहद निवासी पत्रकार व विहिप कार्यकर्ता की गोली मारकर हत्या कर दी । वह सुभह अपने घर से बुलेट से बाजार के लिए निकले थे। आनन फानन में उन्हें पुरुष चिकित्सालय भर्ती कराया जहा डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया । पुलिस अधीक्षक डॉ अजय पाल शर्मा ने घटना स्थल की जाँच की । बाजार से लेकर गांव तक भारी पुलिस तैनात की गई है । मामले का खुलासा के लिए

घटनास्थल की जाँच करते एसपी, इनसेट में मृतक की फ़ाइल फ़ोटो

एसओजी टीम सीसीटीवी फुटेज खंगालने में जुटी हुई है । उक्त गांव निवासी आशुतोष श्रीवास्तव (45) अपने घर से निकले । तकरीबन 700 मीटर उक्त बाजार के पास पहुँचे थे कि बाइक सवार बदमाशों ने उन्हें ओवरटेक कर रोक दिया । ताबड़तोड़ कई राउंड गोली झोंक दी । जिससे आशुतोष अपनी बुलेट से जमीन पर गिर पड़े । गोली उनके पेट मे लगी । सूचना मिलते ही जिले भर में हड़कम्प मच गया । स्तिथि देख जिले भर की पुलिस मौके पर पहुँच गई । पुलिस अधीक्षक अजय पाल शर्मा ने घटना स्थल की तहकीकात की । उन्होंने परिजनों को 48 घण्टे के अंदर खुलासे के आश्वशन दिया । आवश्यक कार्यवाही के बाद पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेज दिया । इस बाबत पूछे जाने पर अजीत चौहान ने बताया कि पुलिस सभी पहलुओं की देखकर जांच कर रही । परिजनों की तरफ से तहरीर मिलने के बाद जाँच का दायरा बढ़ेगा ।

तीन दिवसीय समर कैंप का हुआ आयोजन

प्रखर वाराणसी। विकासखंड चोलापुर के प्राथमिक विद्यालय चुमकुनी में तीन दिवसीय समर कैंप का उद्घाटन विकास क्षेत्र चोलापुर के खंड शिक्षा अधिकारी ब्रजेश कुमार राय के द्वारा किया गया। इस तीन दिवसीय समर कैंप के पहले दिन बच्चों ने मतदाता जागरूकता कार्यक्रम पर आर्ट एवं पत्तियों के क्राफ्ट तथा मिट्टी की आकृतियां बनाई । कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में खंड शिक्षा अधिकारी ब्रजेश कुमार राय द्वारा अपने उद्बोधन में बच्चों को इस समर कैंप के सफल होने की शुभकामना दी गई एवं विभिन्न गतिविधियों से सीखने हेतु भी प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का संयोजन

प्राथमिक विद्यालय चुमकुनी के प्रधानाध्यापक दुर्गेश चौबे के द्वारा किया गया। उक्त समर कैंप में विद्यालय के बच्चों सभी बच्चों ने भाग लिया। इस समर कैंप के आयोजन में विद्यालय के प्रधानाध्यापक के साथ-साथ सुलेखा पांडेय, अनुराधा मधुबाला, अतुल चौबे, लता सिह, पूनम सिंह, नवीन दूबे, संध्या शर्मा इत्यादि लोगों ने अपना योगदान दिया।

8 वर्षों से अधूरी पड़ी सड़क के लिए ग्रामीणों का फूटा गुस्सा, किया धरना-प्रदर्शन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। बिरनो ब्लाक अंतर्गत शहीद गांव भैरोपुर गांव में 8 वर्षों से अधूरी सड़क पड़ी हुई है इसको ग्रामीणों का फूटा गुस्सा। ग्रामीणों ने हाथ में लिखित रूप से अधिकारी व जनप्रतिनिधियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। व उनके खिलाफ जमकर विरोध भी जताया। प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों का कहना है कि आजमगढ़ गाजीपुर मुख्य मार्ग से भैरोपुर नई बस्ती की ओर जाने वाली सड़क का निर्माण प्रांतीय खंड के द्वारा नवंबर 2016 को शुरू किया गया था। ठेकेदार द्वारा कार्य प्रारंभ होने के कुछ ही दिनों बाद अधूरा सड़क निर्माण छोड़कर कार्य बंद कर दिया गया तब से यह सड़क इसी दशा में पड़ी हुई है इस सड़क निर्माण के लिए जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ संबंधित विभाग के अधिकारियों से मिलकर भी आग्रह किया गया

लेकिन सड़क का निर्माण कार्य संस्था द्वारा अब तक पूरा नहीं किया गया। इसको लेकर ग्रामीणों में काफी आक्रोश देखा गया। वही ग्रामीणों का कहना है कि इस बार लोकसभा 2024 के चुनाव में हम किसी भी दल को मतदान नहीं करेंगे। क्योंकि जब तक हमारे गांव की सड़क नहीं बनेगी तब तक हम लोग मतदान का बहिष्कार करेंगे। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि देवेंद्र यादव उर्फ मटरू, शिवप्रसाद, रामाशंकर, चंद्रिका राम, महत्तिम राम, हरी राम, भोला, गोलू, बब्बन, हरिशंकर, आदि ग्रामीणों ने विरोध जताया।

लोकसभा नामांकन के सातवें दिन सपा प्रत्याशी अफजाल तथा बेटी नुसरत ने किया पर्चा दाखिल

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। लोकसभा के सपा प्रत्याशी अफजाल अंसारी ने आज दो सेटों में नामांकन कर दिया, उनके साथ पूर्व मंत्री और सपा विधायक ओमप्रकाश सिंह, विधायक बीरेंद्र यादव और विधायक जय किशुन साहू भी मौजूद रहे। उनके ठीक पहले उनकी बेटी नुसरत अंसारी भी प्रस्तावकों के साथ नामांकन करने पहुंची थी, नामांकन के बाद अफजाल अंसारी ने बताया कि उन्होंने दो सेट में समाजवादी पार्टी के कैंडिडेट की हैसियत से नामांकन किया है।निर्वाचन आयोग के नियमों के अनुसार विकल्प प्रत्याशी के हैसियत से उनकी बेटी नुसरत अंसारी ने नामांकन दाखिल किया है। समाजवादी पार्टी की तरफ से अ ब फार्म अफजाल अंसारी और नुसरत अंसारी दोनों को इश्यू किया गया है। अफजाल अंसारी ने कहा कि मेरे नामांकन में कोई दिक्कत आये तो सिम्बल नुसरत को ट्रांसफर हो जायेगा। एक सेट निर्दल भी दाखिल

हुआ है। उमर परिवार का बच्चा है इसलिये आज नामांकन में आया। उन्होंने दावा किया है कि आज चौथे चरण में उत्तर-प्रदेश की 13 में से आधी सीटें भी भाजपा बचा ले तो बड़ी बात होगी। भाजपा को पर्चा भरने में उत्तराखंड के सीएम और यूपी के डिप्टी सीएम को बुलाना पड़ा। उन्होंने दावा किया कि उनका चुनाव ठीक है और वे पूरी लोकसभा की पांचों विधानसभा को 7 से ज्यादा बार घूम चुके हैं और अब उसे जोत कर रोटावेटर से समतल करने की प्रक्रिया में हैं। अफजाल अंसारी ने बताया कि आज उनकी हाइ कोर्ट में तारीख भी थी और उन्होंने मीडिया से ही जानकारी लेकर बताया कि अगली 20 मई को तारीख पड़ी है। वहीं उनकी बेटी नुसरत नामांकन के बाद मीडिया से बिना बात किए सीधे चली गई।

निर्धनों और असहाय लोगों का सहारा बनेगा लीगल एड डिफेंस सिस्टम जिला जज

प्रखर जौनपुर। सोमवार को जिला स्थित जिला एवं सत्र न्यायालय में लीगल एड डिफेंस सिस्टम कार्यालय का उद्घाटन करते हुए जिला जज वाणी रंजन अग्रवाल ने कहा की यह संस्था निश्चित रूप से गरीबों और बेसहारा पीड़ित प्रताड़ित लोगों और महिलाओं के लिए उपयोगी सिद्ध होगा।

इस संस्था से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति से मुझे पूरा विश्वास है की अपने उत्तरदायित्व का पूर्ण निर्वहन करेंगे। और अधिक से अधिक पीड़ित प्रताड़ित लोगों एवं असहाय लोगों और महिलाओं को जमानत परीक्षण अपील के मामलों विधिक अनुसंधान कार्यों बचाव पक्ष की प्रभावी रणनीति और विधिक सहायता के पात्र लोगों की मदद जेल का निरीक्षण करके बंदी लोगों की हर संभव सहायता देने और उनको न्याय दिलाने का कार्य करेंगे। इस संस्था में नवनियुक्त

पदाधिकारी, मुख्य डिफेंस काउंसिल लीगल काउंसिल अनिल कुमार सिंह, डिप्टी मुख्य डिफेंस काउंसिल लीगल डॉक्टर दिलीप कुमार सिंह, असिस्टेंट वकील लीगल एंड डिफेंस काउंसिल प्रकाश तिवारी एवं अनुराग चौधरी ने अपने कर्तव्यों का पूर्ण निर्वहन करने की शपथ ली। इस मौके पर अपर जिला जज प्रथम अनिल कुमार यादव, एवं अपर जिला जज द्वितीय मोहम्मद शारिक सिद्दीकी, अतिरिक्त जिला जज सचिव प्रशांत कुमार सिंह, अध्यक्ष स्थाई लोक अदालत लाल चंद्र गुप्ता, केंद्रीय नाजीर सतीश तिवारी समेत तमाम लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ दिलीप कुमार सिंह द्वारा किया गया।अध्यक्षता अपर जिला जज प्रथम अनिल कुमार यादव ने किया। मुख्य डिफेंस काउंसिल लीगल वकील अनिल कुमार सिंह ने आए हुए आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

नौकरी के नाम पर पैसा लेकर फर्जी नियुक्ति पत्र देने वाला अभियुक्त चढ़ा करीमुद्दीनपुर पुलिस के फंदे

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के कुशल मार्गदर्शन एवं क्षेत्राधिकारी मोहम्मदाबाद के निकट पर्यवेक्षण में थाना स्थानीय पर मुकदमा वादी द्वारा शिकायत किया गया था कि प्रदीप कुमार पुत्र ओम प्रकाश वर्मा निवासी ग्राम बाराचवर थाना करीमुद्दीनपुर जनपद गाजीपुर नौकरी के नाम पर पैसा लेकर कई लोगों को फर्जी नियुक्ति पत्र प्रदान किया है जबकि विभाग में ज्वाइनिंग के लिए जाने पर ऐसा कोई पद ही नहीं पाया गया । इस सूचना पर थाना हाजा पर मु0अ0सं0 71/24 धारा 406,420,467,468, 471,504,506 भादवि पंजीकृत किया गया तत्पश्चात मुकदमा उपरोक्त में वांछित अभियुक्त प्रदीप कुमार पुत्र ओम प्रकाश वर्मा निवासी ग्राम बाराचवर थाना करीमुद्दीनपुर जनपद गाजीपुर हाल पता हाउस नं0 404/1 आदर्श नगर शिवदासपुर मडुवाडीह वाराणसी को मुखबिर की सूचना पर सोमवार को समय करीब 07.20 बजे पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के बगल में बाराचवर जाने वाली नहर पर गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तारशुदा अभियुक्त के पास से कुल 16 व्यक्तियों का विभिन्न विभागों में कूटरचित नियुक्ति पत्र मय 11 लिफाफा व 03 खाली कर्मचारी चयन आयोग का लिफाफा बरामद किया गया । अभियुक्त प्रदीप कुमार उपरोक्त द्वारा नौकरी के नाम पर झांसा देकर लोगों से पैसा लिया करता था तथा उन व्यक्तियों को कूट रचित/फर्जी दस्तावेज बनाकर प्रदान करता था एवं पैसा मांगने पर पैसा वापस नहीं करता था । अभियुक्त के 01 अदद हुण्डई वाहन को 207 एमवी एक्ट में सीज किया गया बरामद कूटरचित व फर्जी नियुक्ति पत्र के आधार पर अभियुक्त के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्यवाही सम्बन्धित थाने द्वारा की जा रही है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में बाल मुकुन्द दूबे मय हमराह थाना करीमुद्दीनपुर जनपद गाजीपुर शामिल रहे।

संक्षिप्त खबरें

ट्रैक्टर ने मारा धक्का बच्ची की मौत

प्रखर चिरईगांव वाराणसी। ब्लॉक चिरईगांव अन्तर्गत लेदुपुरप्राथमिक विद्यालय की कक्षा 3 की बालिका बन्दना पुत्री राजकुमार की सुबह 7:10 बजे स्कूल जाते समय रास्ते में ट्रैक्टर धक्का मारा और बच्ची गिर पड़ी। वहाँ के स्कूलके स्टाप संजय कुमार मिश्रा, जितेन्द्र कुमार भारती व अभिषेक जायसवाल ने तत्परता दिखाते हुए उसे तुरन्त मेरीडियन हॉस्पिटल में भर्ती कराया हालत बिगड़ने पर उसे दीनदयाल उपाध्याय हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया जहाँ पर उपचार के दौरान ही उसकी मृत्यु हो गयी। सूचना पाकर खण्ड शिक्षा अधिकारी श्रीमती प्रीति सिंह, SRG डॉ कुँवर भगत सिंह व उत्तरप्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष ज्योति भूषण त्रिपाठी भी हॉस्पिटल पहुँच कर बच्ची के body को पोस्टमार्टम के लिये भेजवाया तथा उच्चाधिकारियों से सम्पर्क स्थापित करके तुरन्त पोस्टमार्टम की व्यवस्था कराया तथा रोते बिलखते परिजनों को ढांढस बंधाते हुए उन्हें घर भेजने की व्यवस्था किया। इस घटना से पूरा बेसिक शिक्षा परिवार मर्माहत है।

सीएमओ ने किया औचक निरीक्षण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मची अफरा तफरी

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर खानपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य के केंद्र पर सीएमओ गाजीपुर डा0 देश दीपक पाल के अचौक निरीक्षण के दौरान अफरा तफरी मच गई। मिली जानकारी के अनुसार सोमवार की दोपहर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर औचक निरीक्षण करने पहुँचे डा0 पाल के हॉस्पिटल पर पहुँचते ही अफरा तफरी मच गयी। निरीक्षण के दौरान हॉस्पिटल परिसर के सभी कमरों का निरीक्षण किया और उचित दिशा निर्देश भी दिए। इस दौरान उन्होंने प्रसव कमरे का भी निरीक्षण किया और वहाँ मौजूद कर्मचारियों से पूछताछ की, साथ ही रजिस्टरों की जाँच करते हुए उचित निर्देश दिए।वही अधीक्षक डॉ आरपी यादव को उचित निर्देश देते हुए एक और स्वीपर कर्मचारी देने का आश्वासन दिया। डॉ देश दीपक पाल ने बताया कि सोमवार की दोपहर खानपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया गया है। इस दौरान हॉस्पिटल परिसर की साफ सफाई से लेकर सभी कमरों का निरीक्षण किया गया है और चिकित्सा अधीक्षक खानपुर डॉ आरपी यादव को संबंधित निर्देश दिए गए हैं।

स्वीप कार्यक्रम अन्तर्गत मतदाता जागरुकता हेतू हुआ विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। लोक सभा सामान्य निर्वाचन अन्तर्गत चलाये जा रहे राष्ट्रीय सेवा योजना निर्वाचन स्वीप कार्यक्रम के अन्तर्गत मतदाता जागरूकता अन्तर्गत परिषदीय विद्यालयों, महाविद्यालयो के तहत जिला स्वीप को आर्डिनेटर के नेतृत्व में चुनावी पाठशाला, संगोष्ठी, सांस्कृतिक कार्यक्रम, चित्रकला एवं कलश, के माध्यम से मतदाताओं को मतदान करने के लिए प्रेरित लगातार किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत राजकीय हाईस्कूल बयेपुर देवकली, राजकीय बालिका इण्टर कालेज सैदपुर, श्री आदित्य लाल जनता योगेश उच्चतर माध्यमिक विद्यालय फूली, आदर्श इण्टर कॉलेज सिधउत एवं सुभाष विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज बहरियाबाद गाजीपुर के प्रधानाचार्य, शिक्षक एवं कर्मचारीगण की उपस्थिति में स्लोगन, नुक्कड नाटक, भाषण प्रतियोगिता के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक किया तथा रैली निकालकर मतदाता जागरूकता की शपथ भी दिलायी गयी। जिसमे लोगो को आगामी 01 जून, को पूरे जोर-सोर से मतदान करने के लिए जागरूक किया। रैली में छात्र हम अपना कर्तव्य निभाएगे, सबसे मतदान कराएंगे। चुनाव आयोग का है अहवाहन, सबको करना है मतदान। बड़े बूढ़े हो या जवान, सभी करें मतदान। आदि नारे लगाते लोगों को मतदान के लिए ऐरित करते चल रहे थे। उन्होने सभी को चढ़ बढ कर मतदान करने तथा जनपद का प्रथम नम्बर पर वोट प्रतिशत लाने हेतु जागरूक किया गया।

(ओटर मिजाज)

नहीं चाहिए दिल दुखाना किसी का

जखनियां। गाजीपुर।इन दिनों गर्मी के बढ़ते तापमान के साथ साथ चुनावी माहौल में भी खासा गर्माहट है। चुनावी महासमर में उतरे हर नए पुराने चेहरे हम किसी से कम नहीं की तर्ज.पर अपनी आबोहवा बनाने में लगे हुए हैं। शहर गांव कस्बों की संकरी गलियों तक जन संपर्क का अभियान जोरों पर है। सब्जियों में आलू की तरह शामिल होने वाले पिछलग्गू भैय्या लोग हवा का रुख भांपकर करवट बदलने की जुगत में अपना पत्ता खोलने से परहेज करते दिखने लगे हैं।एक चालाक ओटर को हर दिन अलग-अलग दल टीम के साथ घूमते पाए जाने पर जब सवाल किया गया तो उसने सधे अंदाज में जबाब कुछ यूं दिया यही की "नहीं चाहिए दिल दुखाना किसी का"

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट https://prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं